शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 182 | गुवाहाटी | बुधवार, 31 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारतीय नौसेना ने 19 पाकिस्तानी को समुद्री डाकुओं से चंगुल से छुड़ाए — पेज 2
राज्य सरकार नर्सों के पद को या तो समाप्त करे या उन्हें वापस बुलाए — पेज 3
चंडीगढ़ में नगर निगम चुनाव में भाजपा ने इंडी गठबंधन को दी करारी मात — पेज 5
चेस मास्टर दिव्या का दर्शकों पर गंभीर आरोप, महिला खिलाड़ियों के साथ... — पेज 7

पूर्वाञ्चल केশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

सोने के साथ मिलकर चांदी भी सोने जैसी दिखाई पड़ती है अर्थात सत्संग का प्रभाव मनुष्य पर अवश्य पड़ता है।

– **आचार्य चाणक्य**

नक्सली हमले में तीन जवान शहीद, 15 घायल

बीजापुर (हि.स.)। बीजापुर-सुकमा सीमा पर जोनागुड़ा और अलीगुड़ा के पास मंगलवार को नक्सलियों के हमले में तीन सुरक्षा जवान बलिदान हो गए। गोलीबारी में घायल 15 जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। मंगलवार को जिस इलाके में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया, वहां 2021 में 23 जवानों की जान गई थी। सुकमा व बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र टेकलगुड़ेम गांव में (थाना जगरगुण्डा, जिला सुकमा) नक्सल गतिविधि पर अंकुश लगाने के लक्ष्य के साथ मंगलवार को ही यहां सुरक्षा कैंप स्थापित किया गया है। यहां से आज दोपहर कोबरा, एसटीएफ व डीआरजी के जवान जोनागुड़ा-अलीगुड़ा क्षेत्र में सर्चिंग के लिए निकले थे। इसी दौरान नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों की जवाबी फायरिंग में नक्सली भाग खड़े हुए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक हमले में 3 जवान बलिदान हो गए जिनमें आरक्षक देवन सी (201 कोबरा), आरक्षक पवन कुमार (201 कोबरा) और आरक्षक लांबधर सिन्हा (150 सीआरपीएफ) शामिल हैं। मुठभेड़ में 15 जवान घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायल जवानों को रायपुर भेजे जाने की तैयारी है। घायल जवानों को मेडिकल कालेज जगदलपुर, नारायणा हॉस्पिटल रायपुर एवं बालाजी हॉस्पिटल रायपुर में ईलाज करवाया जा रहा है। घायल जवानों में लखवीर, डिप्टी कमांडेंट 201 कोबरा, राजेश पंचाल, असिस्टेंट कमांडेंट 201 कोबरा, खेडकर रामदास, प्रधान -शेष पृष्ठ दो पर

पीएफआई के 15 सदस्यों को मौत की सजा

थिरुवनंतपुरम। भाजपा नेता रंजीत श्रीनिवासन की हत्या के मामले में अलाप्पुझा की एक अदालत ने इसे दुर्लभतम मामला मानते हुए मंगलवार को 15 आरोपियों को मौत की सजा सुनाई। अपराधी पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के सदस्य हैं। 2021 में हुई हत्या उन कारणों में से एक थी जिसके कारण देश में पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अतिरिक्त जिला सत्र न्यायालय प्रथम, मावेलिककारा की न्यायाधीश वीजी श्रीदेवी ने सजा सुनाई। मावेलिककारा की अतिरिक्त सत्र अदालत ने पिछले सप्ताह इस मामले में सभी 15 आरोपियों को दोषी पाया था। पुलिस ने 14 आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। 10वें आरोपी नवास को चिकित्सीय कारणों से मेडिकल कॉलेज तिरुवनंतपुरम में भर्ती कराया गया है। जांच के अनुसार, पहले आठ आरोपी सीधे तौर पर हत्या में शामिल थे। अदालत ने मौत की सजा के अलावा उम्रकैद की सजा भी सुनाई। इस मामले में नईसम, अजमल, अनूप, मोहम्मद असलम, अब्दुल कलाम उर्फ सलाम, अब्दुल कलाम, सफारुद्दीन, मनशाद, जसीब राजा, नवास, समीर, नसीर, जाकिर हुसैन, पूवाथिल शाजी, शेरनाज अशरफ दोषी हैं। नवास को छोड़कर बाकी सभी को फैसले के तुरंत बाद जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। रंजीत, जो भाजपा ओबीसी मोर्चा के राज्य सचिव थे, उनकी 19 दिसंबर, 2021 को उनके घर में परिवार के सदस्यों के सामने हत्या -शेष पृष्ठ दो पर

बंदूकधारियों का शिविर पर हमला स्वयंसेवक की मौत

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकली जिले में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने गांव के शिविर पर हमला किया। इसमें गांव के एक स्वयंसेवक की मौत हो गई। जबकि, एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना इंफाल पश्चिम जिले से सटे लामशांग इलाके के कदंगबंद गांव के पास हुई। यहां हिंसा के पीड़ितों के लिए एक शिविर बनाया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला शुरू किया। इसके बाद -शेष पृष्ठ दो पर

जब तक जीवित हूं, बंगाल में सीएए लागू नहीं होने दूंगी : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएए का मुद्दा उठाने के लिए मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह अपने जीवनकाल में राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगी। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लाभ लेने के लिए आगामी चुनावों से पहले नागरिकता (संशोधन) -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी : पूजा के अधिकार पर फैसला आज

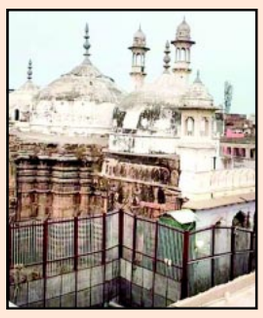

नई दिल्ली। जनपद न्यायाधीश के कोर्ट में कथित ज्ञानवापी मस्जिद में सोमनाथ व्यास जी के तहखाना में पूजा आरंभ करने संबंधित याचिका पर बहस पूरी हो गई है। डिस्ट्रिक्ट जज के 17 जनवरी के आदेश से जिलाधिकारी वाराणसी कस्टोडियन हो गए हैं। 31 जनवरी को फैसला आ सकता है। सोमनाथ व्यास के नाती शैलेंद्र पाठक की याचिका में निवेदन किया गया है कि तहखाने में 1993 से बंद पूजा पाठ को पुनः आरंभ कराया जाए। ये याचिका सितंबर 2023 में दायर की गई थी। वहीं, दूसरी तरफ आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया की सर्वे रिपोर्ट दोनों पक्षों को दे दी गई है। बता दें कि वाराणसी ज्ञानवापी परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाना में दर्शन पूजन -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पाकिस्तान के कई इलाकों पर बलूच आर्मी का कब्जा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। लेकिन उससे पहले ही पाकिस्तान में हमलों की बौछार हो गई है। पाकिस्तान में एक ही समय पर कई जगहों से हमले किए जा रहे हैं। अब तो पाकिस्तान के कई इलाकों पर कब्जा तक कर लिया गया है। भारत में बैठे लोगों को अंदाजा भी नहीं होगा कि पाकिस्तान पर कितना बड़ा हमला हुआ है। ईरान के हमले के बाद अब बताया जा रहा है कि अलग देश की मांग कर रही बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना पर बड़ा हमला कर दिया है। बलूचों का -शेष पृष्ठ दो पर

सामूहिक दुष्कर्म : तीन को 90-90 साल की सजा

इडुक्की। केरल की एक कोर्ट ने मंगलवार को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन लोगों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई है। कोर्ट ने तीनों को साल 2022 में पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिक की 15 वर्षीय बेटी के साथ एक चाय बागान में सामूहिक दुष्कर्म करने का दोषी पाया। इसके लिए कोर्ट ने तीनों को 90-90 साल की सजा सुनाई। देवीकुलम फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट (पॉक्सो) के जज सिराजुदीन पीए ने तीन लोगों को पॉक्सो -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के लिए महत्वाकांक्षी सड़क कनेक्टिविटी योजना : सीएम

गुवाहाटी। माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक घोषणा में, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पूरे असम में सड़क बुनियादी ढांचे की कमियों को पाटने, निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने और विभिन्न चल रही विकास परियोजनाओं के माध्यम से समुदायों को करीब लाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के समर्पण को रेखांकित करते हुए, मुख्यमंत्री शर्मा ने पूरे असम में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई योजनाओं पर प्रकाश डाला। सरकार असम के -शेष पृष्ठ दो पर

मप्र को इंडस्ट्रियल और एग्रीकल्चर हब बनाएंगी राजमार्ग परियोजनाएं : गडकरी

भोपाल (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सड़क परियोजनाओं से मध्यप्रदेश को इंडस्ट्रियल और एग्रीकल्चर हब बनाने में मदद मिलेगी। मध्य प्रदेश में सड़क नेटवर्क बेहतर बनाने के लिए नए कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं। इस वर्ष के अंत तक अनेक कार्य पूर्ण होंगे। प्रदेश में सड़कों के निर्माण से निवेश आएगा, निर्यात भी बढ़ेगा। रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और निर्धनता को दूर करने में मदद मिलेगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी मंगलवार शाम को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड पर सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ सिंगल क्लिक से 499 किलोमीटर लंबाई की 15 राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इनकी लागत 8038 करोड़ रुपए है। गडकरी ने कहा कि सड़कों का निर्माण विकास की अनेक संभावनाओं को साकार करता है। मालवा का आटा अनेक देशों में पसंद किया जाता है। इसके निर्यात में नई सड़क संरचनाएं उपयोगी होंगी। उन्होंने बताया कि उज्जैन में रेलवे स्टेशन से बाबा महाकाल मंदिर तक रोप-वे के संचालन का प्रकल्प महत्वपूर्ण है। -शेष पृष्ठ दो पर

बजट सत्र को लेकर सर्वदलीय बैठक 30 पार्टियों के 45 नेता हुए शामिल

नई दिल्ली। बजट सत्र से पहले केंद्र सरकार ने आज यानी मंगलवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में 30 दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। संसद परिसर की लाईब्रेरी में आयोजित इस बैठक में सरकार की तरफ से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मौजूद थे। वहीं, कांग्रेस की तरफ से के सुरेश और प्रमोद तिवारी, जबकि टीएमसी की तरफ से सुदीप बंद्योपाध्याय मौजूद थे। 30 पार्टियों से 45 नेता इस सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में 30 पार्टीयों से 45 नेता -शेष पृष्ठ दो पर

सोरेन के दिल्ली आवास से 36 लाख नकद और दो लग्जरी कारें जब्त

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के राजधानी दिल्ली स्थित आवास की तलाशी के बाद 36 लाख रुपए नकद, दो लग्जरी कार और कुछ आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए। केंद्रीय जांच एजेंसी सोरेन के दक्षिण दिल्ली स्थित 5/1 शांति निकेतन आवास पहुंची और 13 घंटे से ज्यादा समय तक वहां डेरा डाले रही। इस दौरान जांच अधिकारियों ने आवास परिसर की तलाशी ली। आधिकारिक -शेष पृष्ठ दो पर

सत्यमेव जयते
असम सरकार
क्या कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी आपसे रिश्वत मांग रहा है ?
कृपया हमें सूचित करें
व्हाट्सएप नम्बर ▶ 60269 01243
टोल फ्री नम्बर ▶ 18003453767
नियंत्रण कक्ष ▶ 03612462295
एस. पी (I) ▶ 6026903481
एस. पी (II) ▶ 6026903483
एडिशनल एस. पी ▶ 6026903418
ईमेल ▶ complaints.vac@gmail.com
ट्विटर ▶ @DIR_VAC_ASSAM
सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम गुवाहाटी ७८१०३२
https://dgvigilance.assam.gov.in/
-- Janasanyog/D/17104/23/31-Jan-24

साइफर केस में इमरान खान और कुरैशी को 10 साल की जेल

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान में आज मुल्क के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान और पार्टी के नेता एवं पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी को साइफर केस में 10 साल जेल की सजा सुनाई गई। रावलपिंडी के स्पेशल कोर्ट के जज अबुल हसनत जुल्करनैन ने अदियाला जेल में इसका ऐलान किया। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और कुरैशी की मौजूदगी में जज ने यह फैसला सुनाया। पिछले साल से ही इस केस की सुनवाई अदियाला जेल में चल रही थी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में आठ फरवरी को आम चुनाव हैं। ऐसे में नौ दिन पहले आया यह फैसला इमरान खान के राजनीतिक करियर के लिए खतरनाक हो सकता है। साइफर का मतलब होता है सीक्रेट कीवर्ड में लिखा गया संदेश। -शेष पृष्ठ दो पर

11 रास सांसदों का निलंबन रद्द

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उन 11 विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया है, जिन्हें सदन पैनल ने विशेषाधिकार हनन का दोषी ठहराया था। जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को सभी 11 सदस्यों के निलंबन को हटाने के लिए अपने अधिकार का प्रयोग किया, जिससे उन्हें 31 जनवरी को बजट सत्र के उद्घाटन दिवस के दौरान राष्ट्रपति के विशेष संबोधन में भाग लेने की अनुमति मिल गई। जिन 11 सांसदों का निलंबन रद्द किया गया है उनमें कांग्रेस के जेबी माथेर, एल हनुमंथैया, नीरज डांगी, राजमणि पटेल, कुमार केतकर और जीसी चंद्रशेखर, सीपीआई के बिनॉय विश्वम और पी. संदोश कुमार, डीएमके के मोहम्मद अब्दुल्ला और सीपीआईएम के जॉन ब्रिटास और एए रहीम शामिल हैं। हंगामेदार शीतकालीन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारतीय नौसेना ने 19 पाकिस्तानी को समुद्री डाकुओं के चंगुल से छुड़ाए

नई दिल्ली। सोमाली समुद्री डाकुओं के खिलाफ भारतीय नौसेना की कार्रवाई जारी है। भारतीय नौसेना ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार मछली पकड़ने वाले जहाज अल नामी को बचाया है। भारतीय रक्षा अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा ने कोच्चि के तट से लगभग 800 मील की दूर पर समुद्री डाकुओं द्वारा अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज अल नामी को बचाया गया है। भारतीय रक्षा अधिकारी के मुताबिक, भारतीय नौसेना के समुद्री कमांडो ने चालक दल को सुरक्षित बचाने के लिए ऑपरेशन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने सफलतापूर्वक नाव को बंधकों से मुक्त कराया है। पिछले 24 घंटों में भारतीय नौसेना का दूसरा सफल समुद्री डकैती रोधी अभियान था। भारतीय नौसेना के युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान करने के लिए तैनात किए गए हैं। भारतीय नौसेना ने एक बयान में कहा कि नौसेना के जहाज सुमित्रा ने सोमालिया के पूर्वी तट पर समुद्री डकैती के खिलाफ एक और सफल अभियान को अंजाम दिया है। भारतीय नौसेना ने मछली पकड़ने वाले जहाज अल नामी और उसके चालक दल को 11 सोमाली समुद्री लुटेरों से बचाया है। इस जहाज पर 19 पाकिस्तानी नागरिक भी सवार थे। बता दें कि एक दिन पहले भी भारतीय नौसेना ने एक सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया था। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा ने सोमाली समुद्री डाकुओं द्वारा अपहृत मछुआरों को बचाया था। समुद्री डाकुओ ने ईरानी जहाज का अपहरण कर लिया था, जिसमें लगभग 17 क्रू सदस्य सवार थे।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

होजाई (हिंस)। होजाई में हुए भयावर सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि होजाई के आम बाजार में बीती देर रात मैजिक और बाइक की आमने-सामने की टक्कर में बाइक सवार तपन गौड़ की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार हादसा एक मैजिक (एएस-02सीसी-3081) और बाइक (एएस-02वाई-7760) के बीच आमने-सामने की टक्कर के चलते हुआ।

मवेशी चोर के शक में चार लोगों की पिटाई

नलबाड़ी (हिंस)। नलबाड़ी जिले के दोकोहा में आज तड़के एक भयावह घटना हुई। पशु चोरों के शक में चार लोगों की सामूहिक रूप से पिटाई की गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने अर्ध मूर्च्छित अवस्था में चारों व्यक्तियों को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया। मिली जानकारी के अनुसार दोकोहा में स्विफ्ट डिजायर कार से जा रहे चार लोगों को स्थानीय लोगों ने संदेह के आधार पर पकड़ लिया। लोगों की भीड़ ने स्विफ्ट डिजायर कार में सवार चारों व्यक्तियों की जमकर पिटाई शुरू कर दी, साथ ही कार को आग के हवाले कर दिया। इस बीच घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ से चारों लोगों को बचाया। हालांकि, चारों व्यक्तिय लोगों की पिटाई के चलते अर्ध मूर्च्छित अवस्था में चले गये थे।

बीएसएफ ने सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए शुरू किया भर्ती पूर्व प्रशिक्षण

दक्षिण सालामारा (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गुवाहाटी फ्रंटियर के अन्तर्गत 19वीं वाहिनी ने दक्षिण सालामारा मानकाचर जिले के भोगडोर सीमा चौकी के सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए भर्ती से पूर्व प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। बीएसएफ की गुवाहाटी फ्रंटियर की सूचना में मंगलवार को बताया गया है कि स्थानीय युवाओं की क्षमता और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में उनके महत्व को पहचानते हुए बीएसएफ की गुवाहाटी फ्रंटियर के अंतर्गत 19वीं वाहिनी ने सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए गत 29 जनवरी से 10 फरवरी तक भर्ती पूर्व व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीमावर्ती गांवों के प्रतिभाशाली युवाओं को अधिकारियों तथा अन्य प्रशिक्षकों ने केंद्रीय सशस्त्र बलों, सेना और राज्य पुलिस में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा एवं शारीरिक परीक्षण से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बीएसएफ ने युवाओं को पाठ्य सामग्री एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित सामग्री भी वितरित की।

असम पुलिस ने 64 इंस्पेक्टरों का किया तबादला

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में पुलिस प्रशासन को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से असम पुलिस द्वारा व्यापक पैमाने पर तबादला किया गया है। पुलिस द्वारा दी गई औपचारिक सूचना के अनुसार राज्य के 64 पुलिस इंस्पेक्टरों के तबादले किये गये हैं। ये तबादले तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। ज्ञात हो कि अगले दो माह के अंदर होने जा रहे हैं लोकसभा चुनाव के मद्देनजर असम पुलिस के महानिरीक्षक (प्रशासन) द्वारा जनहित में यह आदेश जारी किया गया है। इस तबादले में किसे कहां स्थानांतरित किया गया है, इसकी जानकारी के लिए स्थानांतरण आदेश की प्रति समाचार के साथ संलग्न की गई है।

भारी मात्रा में हेरोइन और ड्रग्स के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने भारी मात्रा में हेरोइन और मेथम फेटामाइन टैबलेट जब्त किए हैं। ड्रग्स के संबंध में कछार पुलिस की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने आज औपचारिक सूचना दी है कि जिले के धलाई क्षेत्र के लोकनाथपुर में छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से हेरोइन से भरे 50 साबुनदानी जब्त किए गए। साबुनदानी से कुल 1.531 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। पुलिस ने दोनों ड्रग्स तस्करों के पास से 460 ग्राम मेथम फाटामाइन भी जब्त किया है। पुलिस को संदेह है कि जब्त हेरोइन और मेथम फेटामाइन को पड़ोसी राज्य मिजोरम से असम के कछार के रेस्ते बाहरी राज्य में ले जाने की योजना थी। जब्त की गई ड्रग्स की कीमत कई करोड़ रुपये आंकी गई है।

खेती के आधुनिकीकरण से किसानों को होगा मुनाफा : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि खेती को लाभकारी बनाने के लिए कृषि आधुनिकीकरण बहुत जरूरी है। इस आधुनिकीकरण के लिए किसानों को पूंजी की जरूरत होगी। ऐसे में सहकारी बैंक ही किसानों को उनकी जरूरत के हिसाब से ऋण दे सकते हैं। सहकारिता मंत्रालय इस दिशा में काम कर रहा है। शाह ने मंगलवार को नई दिल्ली में राज्यों के रजिस्ट्रार कार्यालय एवं कृषि व ग्रामीण विकास बैंकों के कम्प्यूटरीकरण की योजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि किसानों को उनकी जरूरत के हिसाब से ऋण देने का कार्य कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों (एआरडीबी) का है। हालांकि ये बैंक समय के साथ-साथ शिथिल पड़ गए थे। अब इन बैंकों को आधुनिक करने का कार्य शुरू किया गया है। शाह ने कहा कि हम चाहते हैं कि एआरडीबी पुन: किसानों को मध्यावधि ऋण और दीर्घकालिक ऋण दे सकें। सरकार आने वाले दिनों में एआरडीबी को प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के साथ लिंक करने की दिशा में काम कर रही है। इससे किसान पैक्स के माध्यम से मध्यावधि ऋण और दीर्घकालिक ऋण आसानी से प्राप्त

कर सकेंगे। जब दीर्घकालिक ऋण पैक्स देने लगेंगे तो किसानों के साथ-साथ हमारे पैक्स भी मजबूत होंगे। शाह ने कहा कि जब एआरडीबी पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकृत हो जाएंगे तो इसकी व्यवस्था सरल होगी और किसानों के लिए बेहतर काम कर सकेंगे। इस दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे एक पारदर्शी माहौल बनेगा, जवाबदेही आसानी से तय हो सकेगी और किसान और बैंक के बीच एक मजबूत रिश्ता बनेगा। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री शाह ने आज कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों और सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार कार्यालयों की कंप्यूटरीकरण परियोजना का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम सहकारिता मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के सहयोग से आयोजित किया गया था।

पृष्ठ एक का शेष

नक्सली हमले में ...

आरक्षक 201 कोबरा, अखिलेश यादव, प्रधान आरक्षक 201 कोबरा, हरेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक 201 कोबरा, मोहम्मद ईरफान, प्रधान आरक्षक, 201 कोबरा, गोपीनाथ बासुमताढी, आरक्षक 201 कोबरा, मनोज नाथ, आरक्षक 201 कोबरा, विकास कुमार, आरक्षक 201 कोबरा, बेनूधर साहू, आरक्षक 201 कोबरा, टी. मधुकुमार, आरक्षक 201 कोबरा, मलकित सिंह, आरक्षक 201 कोबरा, ई. वेंकटेश, आरक्षक 201 कोबरा, अविनाश शर्मा, आरक्षक 201 कोबरा, राउत ओमप्रकाश, आरक्षक 201 कोबरा शामिल हैं। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. के मुताबिक क्षेत्र की जनता को नक्सल समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए बस्तर पुलिस एवं तैनात सुरक्षा बल संकल्पित है। वर्ष 2021 में टेकलगुड़ेम मुठभेड़ में हमें भारी क्षति पहुंचने के बावजूद जनहित में विचार करते हुए आज दोबारा मजबूती से टेकलगुड़ेम गांव में कैम्प स्थापित कर क्षेत्र की शांति, सुरक्षा एवं विकास हेतु समर्पित होकर कार्य करेंगे।

पीएफआई के 15...

कर दी गई थी। हमले में उनके शरीर को बेरहमी से क्षत-विक्षत कर दिया गया था। यह कथित तौर पर एक दिन पहले सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के नेता केएस शान की हत्या का प्रतिशोध था। जिले में एक के बाद एक हुई हत्याओं ने केरल को झकझोर कर रख दिया था। जांच के मुताबिक, एक आरोपी की पत्नी के मोबाइल फोन से मारे जाने वाले नेताओं की सूची मिली थी। अदालत ने सजा सुनाने से पहले आरोपी की मानसिक स्थिति पर रिपोर्ट मांगी थी। रंजीत के परिवार ने कहा कि वे फैसले से संतुष्ट हैं।

बंदूकधारियों का ...

गांव के स्वयंसेवकों ने जवाबी कार्रवाई की। जिसके चलते मुठभेड़ में गांव के एक स्वयंसेवक की जान चली गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई के बाद हमलावर पीछे हट गए और फिर हमला किया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ शुरू होने के बाद कदंगबंद और पड़ोसी कुतुक गांव से कई महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भागकर सुरक्षित स्थानों पर चले गए। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए इलाके में अतिरिक्त सरक्षा कर्मी भेजे गए हैं।

जब तक जीवित...

अधिनियम यानी सीएए का मुद्दा उठाया है। बनर्जी ने कहा कि चुनाव नजदीक आते देख, भाजपा ने राजनीतिक लाभ लेने के लिए फिर से सीएए का मुद्दा उठाया है। लेकिन मैं यह स्पष्ट कर दूं कि जब तक मैं जीवित हूं, पश्चिम बंगाल में इसे लागू नहीं होने दूंगी। बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शांतनु ठाकुर के हालिया दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। ठाकुर ने कहा था कि पूरे देश में एक सप्ताह के अंदर सीएए लागू किया जाएगा। रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में एक जनसभा के दौरान दिए गए ठाकुर के बयान ने विवादास्पद कानून को लागू किए जाने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में सीएए को मंजूरी दी थी। कानून में 31 दिसंबर 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है।

राज्य के लिए ...

लोगों को एक मजबूत नेटवर्क प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत सड़कों के विकास में सक्रिय रूप से लगी हुई है। इस पहल का उद्देश्य यात्रा के समय को कम करना, पहुंच बढ़ाना और राज्य भर में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। 7 फरवरी, 2021 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा लॉन्च की गई प्रमुख परियोजनाओं में से एक, असोम माला 1.0 ने सड़क बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय सड़कों में पलाशबाड़ी मिर्जा चंदुबी, नाहर अली और डिक्रोंग और सुबनसिरी नदियों पर प्रमुख पुल शामिल हैं। 2023 तक 1,859 करोड़ रुपए के निवेश के साथ, इस पहल ने राज्य की कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एएसआरआईपी 8 पैकेजों में 247 किमी की कुल लंबाई को कवर करते हुए सड़क गलियारों को बढ़ाने पर केंद्रित है। उल्लेखनीय सड़कों में ढोडोर अली, सुबनसिरी पर पुल सहित अन्य शामिल हैं। इस परियोजना में अब तक 380 करोड़ का निवेश किया जा चुका है, जो माध्यमिक सड़क नेटवर्क में सुधार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विभिन्न क्षेत्रों की कनेक्टिविटी आवश्यकताओं को संबोधित करते हुए, एएससीआईपी में 11 पैकेजों में 312.5 किमी को कवर करने वाले 6 सड़क गलियारे शामिल हैं। यह विकास दिमा हसाओ, कार्बी आंगलोंग, बीटीआर और बराक घाटी जैसे क्षेत्रों तक फैला हुआ है। 2023 तक 534 करोड़ रुपए का उपयोग आर्थिक सहयोग और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में पहल की सफलता को रेखांकित करता है।

मप्र को इंडस्ट्रियल...

आगामी महीने में 171 करोड़ रुपए के इस प्रकल्प के लिए निविदा की कार्यवाही करने की तैयारी है। उज्जैन से कोटा की दूरी सिर्फ ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण कार्यों में उज्जैन से गरोठ 136 किलोमीटर की फोर लेन भी शामिल है। इंदौर से ओंकारेश्वर की दूरी एक घंटे में तय हो जाएगी। वर्ष 2025 तक अनेक कार्य पूरे होंगे। जिसमें इंदौर-हैदराबाद कॉरिडोर भी शामिल है। कई ग्रीन एक्सप्रेस हाईवे भी बन रहे हैं। मध्यप्रदेश के 27 सड़क निर्माण प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति दी जा रही है। भोपाल झीलों का शहर है। झील पर रोप-वे और केबल कार के मध्यप्रदेश सरकार के प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति दी जाएगी। गडकरी ने कहा कि मुंबई-दिल्ली कॉरिडोर पूरा होने से मध्यप्रदेश से दोनों महानगरों तक आना-जाना का कार्य 5-6 घंटे में हो जाएगा। यह काम इसी वर्ष पूरा होने की आशा है। ग्रीन फील्ड हाई-वे के अंतर्गत ग्वालियर, आगरा और ग्वालियर-दिल्ली की यात्रा कम समय में पूरी की जा सकेगी। इसके साथ ही भोपाल से कानपुर की यात्रा भी नए कॉरिडोर के निर्माण से सात-आठ घंटे में ही पूरी हो जाएगी जो वर्तमान में पंद्रह घंटे में होती है। सागर से कानपुर की दूरी में 21 किलोमीटर की कमी आएगी। भोपाल- सागर फोर लेन सड़क जिसकी लंबाई 170 किलोमीटर है, एक वर्ष में बन जाएगा। इसकी लागत 4 हजार करोड़ रुपए है। उन्होंने मध्यप्रदेश में राजमार्गों के विकास के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम मों मुख्यमंत्री डॉ. यादव, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया, जबकि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े और अपने विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में केंद्रीय मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़कों के निर्माण, ऑनलाइन और परिवहन साधनों के विस्तार पर केंद्रित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में गडकरी को राम दरबार भी भेंट किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के मंत्रीगण प्रहलाद पटेल, विश्वास सारंग, नारायण सिंह कुशवाह, नारायण सिंह पवार, कृष्णा गौर, दिलीप अहिरवार, लखन पटेल, सांसदगण रमाकांत भार्गव, संध्या राय, जीएस डामोर, दुर्गादास, रोडमल नागर, विधायकगण रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, विष्णु खत्री, भोपाल महापौर मालती राय और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इन परियोजनाओं से महाकौशल क्षेत्र के गेहूं और धान कृषि व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों तक कनेक्टिविटी आसान होगी, कटनी के कोयला खदान उद्योग को लाभ मिलेगा। प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल विश्व धरोहर स्मारक स्थल खजुराहो, रामराजा की नगरी ओरछा, राष्ट्रीय पेंच टाइगर कॉरीडोर तक कनेक्टिविटी आसान होगी। यही नहीं बुधनी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज और वुड क्राफ्ट व्यापार को लाभ मिलेगा साथ ही मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली राज्यों के बीच व्यावसायिक एवं नागरिक यातायात सुगम होगा।

ज्ञानवापी : पूजा के ...

करने का अधिकार की मांग शैलेंद्र कुमार पाठक द्वारा की जा रही है। शैलेंद्र कुमार पाठक कहना है कि जिस प्रकार साल 1993 के पूर्व व्यास जी के तहखाने में नियमित दर्शन एवं पूजन होता था। उनका कहना है कि उसी प्रकार अब यह अधिकार उन्हें दिया जाए। इसको लेकर वाराणसी जिला न्यायालय में मामला चल रहा है। जिला जज ने 17 जनवरी को वाराणसी ज्ञानवापी परिसर के व्यासजी के तहखाना का दायित्व वाराणसी जिलाधिकारी को सौंप दी है। आज इस मामले पर सुनवाई हुई और सुनवाई पूरी हो गई। 31 जनवरी को कोर्ट इस पर अपना फैसला सुना सकता है। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में करीब 92 दिनों तक आर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया (एएसआई) के सर्वेक्षण का काम चला था। इसके बाद एएसआई ने चार बार रिपोर्ट तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की। एएसआई की ओर से जिला न्यायालय से समय की मांग की गई। 25 जनवरी की रात वाराणसी जिला न्यायालय के आदेश पर दोनों पक्षों को एएसआई की रिपोर्ट सौंप दी गई। एएसआई द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट 839 पन्ने की थी। इस रिपोर्ट के बाद हिंदू पक्ष ने इस पूरे ज्ञानवापी परिसर का इतिहास सनातन धर्म से जुड़ा बताया। जबकि मुस्लिम पक्ष ने दावा किया था कि पूरी रिपोर्ट को पढ़कर ही उसका उचित जवाब दिया जाना चाहिए, हालांकि मुस्लिम पक्ष ने एएसआई की रिपोर्ट को एक पक्षीय आधार पर तैयार करने जैसा करार दिया था।

बजट सत्र को ...

शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हमारा जोर राष्ट्रपति अभिभाषण और बजट पर होगा। शुक्रवार से राष्ट्रपति अभिभाषण पर चर्चा शुरू होगी। अंतिम सत्र होगा पर हमने कहा है कि जो आपके कुछ सवाल हैं उसका जवाब अगले टर्म में देंगे। नियमों के मुताबिक, हर मुद्दे पर चर्चा को सरकार तैयार है। हमने आग्रह किया कि प्लेकार्ड लेकर सदन में ना आए ताकि कार्रवाई करने के लिए चेयर मजबूर हो। जो भी निलंबित हैं, जिनका मामला प्रिविलेज कमिटी के सामने है, उनका निलंबन वापस होगा। जोशी ने कहा कि इंडिया गठबंधन *ब्रेन* डेड है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा उन्होंने इस बैठक में हमने बेरोजगारी और मंहगाई के मुद्दे को उठाया और बजट सत्र में भी उठाएंगे। संवैधानिक ढांचे को खत्म किया जा रहा है। राहुल पर असम में हमला किया गया। झारखंड के सीएम और लालू के साथ जो हो रहा है। इस मुद्दे को उन्होंने बैठक में उठाया। चीन के अतिक्रमण का मुद्दा उठाया। मणिपुर हिंसा को उठाया। इसके अलावा उन्होंने बैठक में देश पर बढ़ते कर्ज के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि भारत कर्ज के बोझ के तले दबता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सांसदों का निलंबन ठीक नहीं था। इस सरकार ने लोकतंत्र की हत्या कर दी है। यह सरकार अलिखित तानाशाही सरकार है। जदयू का असली चेहरा सामने आ गया है। कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि संसद में इस बार पहले से ज्यादा ताकत से जनता की आवाज उठाएंगे। वहीं, टीएमसी नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि देश में संघीय ढांचा ध्वस्त हो गया है। बंगाल को क्यों टारगेट किया जा रहा है। करते हो। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, बंगाल सरकार से डरती है। नीतीश कुमार पलटीबाज हैं। बंद्योपाध्याय ने कहा कि इंडिया अलायंस में बड़ी पार्टी कांग्रेस के ऊपर निर्भर करता है कि वे कैसे चलाते हैं। हम बंगाल में अकेले लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश में भाजपा को हराना चाहती है लेकिन बंगाल में वो टीएमसी को हराना चाहती है। बंगाल में कांग्रेस, भाजपा और सीपीएम के साथ मिलकर ममता को हराना चाहती है। इसलिए हम लोग अकेले लड़ रहे हैं। हम 42 सीटें जीतेंगे।

सोरेन के दिल्ली ...

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि ईडी की टीम कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में पूछताछ करने के लिए सोमवार को हेमंत सोरेन के दक्षिण दिल्ली स्थित 5/1 शांति निकेतन आवास पहुंची और 13 घंटे से अधिक समय तक वहां डेरा डाले रही। इस दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी ने मुख्यमंत्री सोरेन के आवास परिसर की तलाशी ली। ईडी के अधिकारियों ने देर रात हेमंत सोरेन के बंगले से 36 लाख रुपए नकद बरामद किए और दो लग्जरी कारें भी जब्त की हैं। उल्लेखनीय है कि जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए ईडी कई बार हेमंत सोरेन को समन जारी कर चुकी है। हालांकि, कई बार समन जारी होने के बाद भी सोरेन केंद्रीय जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए। वहीं, बीते दिनों ईडी की टीम ने हेमंत सोरेन से रांची स्थित उनके सरकारी आवास पर कई घंटे पूछताछ की थी। इसके बाद जांच एजेंसी ने सोरेन को फिर से समन जारी कर 29 या 30 जनवरी को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इसी सिलसिले में ईडी की टीम दिल्ली स्थित हेमंत सोरेन के आवास पर उनसे पूछताछ के लिए पहुंची थी लेकिन हेमंत सोरेन वहां नहीं मिले।

साइफर केस में ...

साइफर गुप्त और प्रतिबंधित संदेश होता है। यह डिप्लोमेटिक कम्युनिकेशन का हिस्सा होता है। दो देशों के बीच होने वाली कई तरह की बातचीत को गुप्त रखा जाता है। संघीय जांच एजेंसी के आरोप पत्र में कहा गया है कि इमरान ने इस संदेश को वापस नहीं किया। पीटीआई लंबे समय से कह रही है कि इस संदेश में इमरान को प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से धमकी दी गई थी। इमरान और कुरैशी चुनाव से पहले जेल में बंद हैं। इमरान खान की उम्मीदवारी भी खारिज हो चुकी है। कुरैशी को जरूर चुनाव लड़ने की छूट मिली है लेकिन आज की सजा का मतलब है कि दोनों अगले पांच साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। इमरान खान को पिछले साल पांच अगस्त को तोशाखाना मामले में भी दोषी ठहराते हुए तीन साल की कैद की सजा सुनाई गई थी। पूर्व विदेशमंत्री कुरैशी को पहली बार सजा सुनाई गई है। रावलपिंडी स्पेशल कोर्ट के जज ने सुनवाई की शुरुआत में इमरान और कुरैशी को आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 342 (आरोपी से पूछताछ करने की शक्ति) के तहत एक प्रश्नावली दी। इमरान ने इस पर अपना बयान दर्ज कराया। इसके बाद उनसे गुप्त संदेश के बारे में पूछा। उस पर उन्होंने जवाब दिया कि मैंने अपने बयान में वही कहा है जो मुझे नहीं पता है। गुप्त संदेश मेरे कार्यालय में था। इसके बाद जज ने मामले में दोनों को 10 साल जेल की सजा सुनाई।

11 रास सांसदों ...

सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों से कम से कम 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इसके बाद विपक्ष का जबरदस्त तरीके से हंगामा भी हुआ। संसद में सुरक्षा उल्लंघन के संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन करने के लिए पिछले महीने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा और लोकसभा सदस्यों सहित 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। 146 सांसदों में से 132 को शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। परिणामस्वरूप, सत्र के अंत में उनका निलंबन हटा लिया गया। शेष 14 सांसदों, 11 राज्यसभा से और 3 लोकसभा से, के लिए मामला दोनों सदनों की विशेषाधिकार समितियों को भेजा गया था। जहां लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने 12 जनवरी को तीन लोकसभा सदस्यों का निलंबन हटा दिया था, वहीं 11 राज्यसभा सदस्यों का निलंबन आज हटा दिया गया। गृह मंत्री के बयान की विपक्ष की मांग पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि सदन के अंदर की सुरक्षा सचिवालय के दायरे में है और केंद्र हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने कहा था कि सरकार लोकसभा सचिवालय की जिम्मेदारियों में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। हम इसकी इजाजत भी नहीं देंगे। विपक्ष ने दावा किया कि सांसदों का निलंबन प्रमुख विधेयकों को बिना बहस के पारित करने की एक सरकारी चाल थी। पिछले महीने, लोकसभा कक्ष में चौंकाने वाले दृश्य सामने आए जब दो घुसपैठिए एक डेस्क से दूसरे डेस्क पर कूद पड़े और कनस्तरों से रंगीन धुंआ निकालने लगे।

पाकिस्तान के कई ...

कहना है कि उन्होंने 50 पाकिस्तानी सैनिकों को मार दिया है। पाकिस्तान की सेना इतनी डर गई है कि वो अपने सैनिकों की लाशें तक उठाने नहीं गई। पाकिस्तानी सेना ने तो इन्हें अपना सैनिक मानने से भी इनकार कर दिया है। बलूचिस्तान के माच और बोलन शहर पर कब्जे का दावा भी बीएलए की तरफ से किया गया है। बलूचों ने इन शहरों में हर तरफ बारूदी सुरंगे लगा दी हैं। पाकिस्तान की सेना अब इन इलाकों में घुसने से घबरा रही है। रॉकेट पास के पहाड़ों से दागे गए और माच शहर के विभिन्न इलाकों में विस्फोट हुए। रॉकेट दागने के बाद आतंकियों ने सेंट्रल जेल के पास सुरक्षा बलों के कैंप पर हमला किया और माच रेलवे स्टेशन में भी घुस गए। अधिकारी ने कहा कि गोलीबारी जारी रहने के बाद लोगों को घर के अंदर रहने के लिए लाउडस्पीकर से घोषणा की गई। बलूचिस्तान में जेल महानिरीक्षक शुजा कासी ने पुष्टि की कि रॉकेट माच जेल की आवासीय कॉलोनी की दीवारों पर गिरे। उन्होंने कहा, मोर्टार गोले और रॉकेट कॉलोनी की दीवारों के करीब फटे। उन्होंने कहा कि अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में माच जेल में 800 कैदियों को रखा गया है, जिनमें कुछ मौत की सजा पाए कैदी भी शामिल हैं। मंत्री ने दावा किया कि आतंकवादी असलम अचो समूह से जुड़े थे, प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) समूह के माजिद ब्रिगेड ने बाद में हमले की जिम्मेदारी ली थी। एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों और बलों के बीच गोलीबारी कुछ घंटों तक चली, इससे पहले कि दिन का उजाला होने से पहले वे आसपास के पहाड़ों में भाग गए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतिष्ठान को कोई नुकसान नहीं हुआ है। यह हमला पाकिस्तानी हमलों का स्पष्ट प्रतिशोध था, जिसे देश ने जनवरी की शुरुआत में ईरान में विद्रोहियों के ठिकाने बताया था। बीएलए ने 18 जनवरी को ईरान में उनके शिविरों पर पाकिस्तान के हमलों के बाद बलूचिस्तान और अन्य जगहों पर सुरक्षा बलों पर हमले शुरू करने की धमकी दी थी, जिसमें कम से कम नौ लोग मारे गए थे। ये हमले पाकिस्तान में ईरानी हमले के जवाब में किए गए जो समान अलगाववादी लक्ष्यों वाले एक अलग बलूच समूह को निशाना बनाकर किए गए थे।

सामूहिक दुष्कर्म : तीन ...

अधिनियम और आईपीसी के प्रावधानों के तहत 90-90 साल की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक स्मिजू के दास ने कहा कि क्योंकि सभी को सजा एक साथ काटनी होगी और पुरुषों को दी गई जेल की अधिकतम सजा 25 साल थी, इसलिए वे 25 साल जेल में रहेंगे। स्पेशल कोर्ट ने तीनों को धारा 376(3) 16 साल से कम उम्र की महिला से दुष्कर्म के तहत अपराध के लिए 20 साल और धारा 376 डीए (16 साल से कम उम्र की महिला से सामूहिक दुष्कर्म) के तहत 25 साल कैद की सजा सुनाई। इसके साथ ही कोर्ट ने तीनों दोषियों को पॉक्सो अधिनियम की धारा 4(2) (सोलह साल से कम उम्र के बच्चे पर यौन हमला) के तहत 20 साल और धारा 5 (जी) (एक बच्चे पर सामूहिक यौन हमला) के तहत 25 साल की कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने तीनों के ऊपर 40,000 रुपए का जुर्माना भी लगाते हुए निर्देश दिया कि इन पैसों को पीड़ित को दे दी जाएगी। वहीं, कोर्ट ने इडुक्की-थोडुपुझा जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण को पीड़ित मुआवजा योजना के तहत मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। कोर्ट ने सोमवार को इस मामले में चार वयस्क आरोपियों में से तीन को आईपीसी और पॉक्सो अधिनियम के तहत 16 साल से कम उम्र की नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के अपराध के लिए दोषी ठहराया था। वहीं, चौथे को आरोपी को कोर्ट ने बरी कर दिया, जो कथित तौर पर दुष्कर्म के समय निगरानी में खड़ा था। बता दें कि 15 वर्षीय पीड़िता के साथ 29 मई, 2022 को इडुक्की के पूपारा गांव के एक चाय बागान में सामूहिक दुष्कर्म किया गया गया था। पीड़िता अपने दोस्त के साथ चाय बागान में गई थी। पीड़िता की शिकायत के मुताबिक, जब वह अपने दोस्त से बात कर रही थी तभी वहां चार लोग आए और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद जघन्य घटना को अंजाम दिया। लड़की की सहेली मदद के लिए चिल्लाई और जब स्थानीय लोग उसकी मदद के आए तो सभी अपराधी मौके से फरार हो गए।

छह वर्ष की बच्ची की हत्या के आरोप में किशोर गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिलांतर्गत बाघबर के मोरीगांव गांव में नृशंस तरीके से बच्ची की हत्या के मामले में एक किशोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर किया है। बच्ची की हत्या के विरोध में मंगलवार को स्थानीय लोगों और छात्रों ने मंदिया हाई स्कूल मैदान से राजस्व सर्कल अधिकारी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला गया। यह लोग हत्या के आरोपित को फांसी देने की मांग कर रहे थे। दरअसल, बरपेटा में मंदिया के पास मोरीगांव के तारिफुद्दीन उर्फ टीपू के घर पर सोमवार को गुरुवार से लापता छह साल की बच्ची का शव मिला था। इसके बाद पूरे क्षेत्र में रोष फैल गया था। इस मामले में बरपेटा पुलिस ने मौके पर तारिफुद्दीन उर्फ टीपू समेत उनके परिजनों को हिरासत में लेकर जांच शुरू की थी। पुलिस जांच में पता चला कि तारिफुद्दीन का किशोर पुत्र इस हत्या में शामिल है। छह साल की बच्ची की हत्या के आरोप में एक किशोर को बरपेटा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस प्रशासन ने अभी तक उन परिस्थितियों के बारे में खुलासा नहीं किया है, जिसके तहत छह साल की बच्ची की हत्या की गई थी। बरपेटा के पुलिस अधीक्षक के अनुसार जल्द ही घटना की पूरी जानकारी सार्वजनिक करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने बच्ची के हत्यारोपियों को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने घटना की जांच में कोई राजनीतिक हस्तक्षेप न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है।

राज्य सरकार नर्सों के पद को या तो समाप्त करे या उन्हें वापस बुलाए

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिला कोलोरियांग, डामिन, पारसी-पारलो छात्र संघ (केडीपीपीएसयू) ने राज्य सरकार और राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) से सभी 17 एएनएम और जीएएनएम के पद को या तो समाप्त करे या उन्हें वापस बुलाने की मांग की है। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में केडीपीपीएसयू के अध्यक्ष केजी चाबोक ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए दावा किया कि पिछले कई वर्षों से राज्य मिशन निदेशक ने कुरुंग कुमे जिले के एएनएम, जीएएनएम जैसे कई स्वास्थ्य कर्मचारियों की भर्ती की है और उन्हें अन्य जिले में स्थानांतरित कर दिया गया है। एनएचएम योजना के दिशानिर्देश के अनुसार इसमें एएनएम, जीएएनएम जैसे स्वास्थ्य कर्मचारियों की भर्ती जिले के मूल निवासियों से की जानी चाहिए और गैर-स्थानांतरणीय होना चाहिए, लेकिन राज्य मिशन निदेशक ने अवैध रूप से अन्य जिले से स्वास्थ्य कर्मियों की भर्ती की है और उनका स्थानांतरण भी किया गया है। इस संबंध में संगठन ने संबंधित विभाग को जिले से स्थानांतरित अथवा बर्खास्त किए गए रिलीवरों की पदस्थापना कर नई भर्ती करने के लिए ज्ञापन व स्मारक सौंपा है। वास्तव में, निर्देशों में कहा गया है कि जिन नर्सों का स्थानांतरण हो गया है, उन्हें उनके तैनाती स्थल से मुक्त कर दिया जाना चाहिए था, लेकिन प्रशासन शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दे रही, इसलिए हम मांग करते हैं कि या तो उन नर्सों को वापस तैनात किया जाए या नए पद सृजित करके उन्हें समाप्त किया जाए। महासचिव चेलो तुगबिन ने कहा कि यूनियन आम जनता के सामान्य हित के लिए हर अधिकारी का दरवाजा खटखटा रही है, लेकिन यह बेहद निराशाजनक है कि नर्सों को स्थानांतरित कर दिया गया है, भले ही वे दिशानिर्देशों का पालन करने पर स्थानांतरणीय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे विभाग और स्थानीय विधायकों के मात्र आश्वासन के आधार पर अब और इंतजार नहीं करेंगे, संगठन ने संबंधित विभागों को आगाह किया कि अगर मांगों को जल्द से जल्द संबोधित नहीं किया गया तो वे कठोर लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करेंगे।

गाय चोर की आलीशान कार को लोगों ने जलाया

गुवाहाटी (हिंस)। एक आलीशान कार में गाय चुराने आए गाय चोर पकड़े जाने के डर से कार सड़क पर छोड़कर फरार हो गये। लोगों ने बाद में छोड़े गए वाहन में आग लगा दी। घटना कामरूप (मेट्रो) जिला के सोनापुर के बरबिल की है। जानकारी के अनुसार आज तड़के एक तस्कर लग्जरी रेनोल्ट कार (एएस-01एफजे-5183) लेकर बरबिल गांव में गाय चुराने आए थे। लग्जरी वाहन में आए तस्कर ने सड़क किनारे बांधकर रखी गई एक गाय को चुराकर गाड़ी पर चढ़ा रहे थे, जिसे ईंट ले जा रहे एक ट्रक के चालक ने देख लिया। तस्कर जब अन्य दो गायों को लेने ही वाले थे कि ईंट लेकर जा रहे वाहन के चालक ने चोर-चोर कहते हुए शोर मचा दिया। जिसे सुनकर चोर गायों को लेकर वाहन के साथ सोनापुर की तरफ भाग गए। लेकिन, ईंटों से लदे वाहन के चालक ने इसी बीच गांव के लोगों को सूचना दे दी। गांव के लोग निकलकर चोर का पीछा करने लगे। लेकिन, जब गांव वाले गांव से बाहर निकले तो चोर का वाहन नदी किनारे एक सड़क के नीचे उतर गया और चोर चोरी की गायों के साथ वाहन छोड़कर फरार हो गए। बाद में गांव के लोगों ने गुस्से में आकर वाहन में आग लगा दी। घटना की सूचना मिलते ही सोनापुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

बीएसएफ ने सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए शुरू किया भर्ती पूर्व प्रशिक्षण

दक्षिण सालामारा (हिंस)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गुवाहाटी फ्रंटियर के अन्तर्गत 19वीं वाहिनी ने दक्षिण सालामारा मानकाचर जिले के भोगडोर सीमा चौकी के सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए भर्ती से पूर्व प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। बीएसएफ की गुवाहाटी फ्रंटियर की सूचना में मंगलवार को बताया गया है कि स्थानीय युवाओं की क्षमता और राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में उनके महत्व को पहचानते हुए बीएसएफ की गुवाहाटी फ्रंटियर के अंतर्गत 19वीं वाहिनी ने सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए गत 29 जनवरी से 10 फरवरी तक भर्ती पूर्व व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीमावर्ती गांवों के प्रतिभाशाली युवाओं को अधिकारियों तथा अन्य प्रशिक्षकों ने केंद्रीय सशस्त्र बलों, सेना और राज्य पुलिस में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा एवं शारीरिक परीक्षण से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बीएसएफ ने युवाओं को पाठ्य सामग्री एवं प्रतियोगिता परीक्षाओं से संबंधित सामग्री भी वितरित की।

धुबड़ी में एआईयूडीएफ ने बैठक कर चुनाव प्रचार किया शुरू

धुबड़ी (हिंस)। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) पार्टी ने धुबड़ी में अपना चुनाव प्रचार का आगाज कर दिया है। मंगलवार को धुबड़ी के दुराहाटी के शिंगिमारी में एआईयूडीएफ पार्टी के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। बैठक में स्थानीय सांसद एवं एआईयूडीएफ के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल भी शामिल हुए। बैठक में विधायक हाफिज बशीर कासिमी, नजरुल हक, निजानुर

रहमान और शमसुल हुदा एवं पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक में सांसद अजमल ने कार्यकर्ताओं से चुनाव की गतिविधियां तेज करने तथा जमीनी स्तर पर कार्य करने की अपील की। अजमल ने सत्ताधारी पार्टी के साथ ही कांग्रेस पर भी कटाक्ष किये। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर एआईयूडीएफ ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। धुबड़ी लोकसभा सीट पर एआईयूडीएफ का वर्ष 2014 से लगातार दो बार कब्जा रहा है। इस बार फिर से अपनी सीट को बरकरार रखने के लिए पार्टी ने पूरा जोर लगा रही है।

छठी वाहिनी एसएसबी ने मनाया शहीद दिवस

कोकराझार (हिंस)। कोकराझार जिलांतर्गत रानीगुली स्थित छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने आज शहीद दिवस मनाया। ज्ञात हो कि वाहिनी के अन्तर्गत सीमा पर तैनात समस्त सीमा चौकियों एवं वाहिनी मुख्यालय में आज भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की याद में 30 जनवरी को दो मिनट का मौन धारण कर शहीद दिवस मनाया गया।

हत्या मामला : नौ लोगों को उम्रकैद

धुबड़ी (हिंस)। बिलासीपाड़ा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने मंगलवार को एक हत्या के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए नौ लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। बिलासीपाड़ा उपमंडल के टोकराबंधा लटेया गांव में वर्ष 2009 में गांव के मेजर अली की कुछ उदंड लोगों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। घटना के संबंध में मेजर अली के परिजन ने चापर थाना में हत्या का मामला दर्ज कराया था। बिलासीपाड़ा अनुमंडल की सेशन कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई की। मंगलवार को बिलासीपाड़ा के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुकुल चेतिया की कोर्ट ने मेजर अली की हत्या के आरोप में मोजीबुर रहमान, अजीजुर रहमान, नूरताज अली, काशेर अली, जमालउद्दीन, जहानउद्दीन, आजाद अली, उस्मान अली और असीमुद्दीन को उम्रकैद की सजा सुनाई। अधिवक्ता तपन कुमार भट्टाचार्य ने सरकारी पक्ष की ओर से पैरवी की। कोर्ट के इस फैसले पर पीड़ित परिवार ने संतुष्टि व्यक्त की है।

ड्रग्स तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

डिब्रूगढ़ (हिंस)। शहर के उत्तर अमोलापट्टी में द जॉर्ज स्कूल के धोबापट्टी से पुलिस ने मंगलवार को भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त किया। पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी के आरोप में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। यह डिब्रूगढ़ के रहने वाले बताएं है। पुलिस ने इनके पास से ड्रग्स भरे 173 प्लास्टिक के छोटे कंटेनर मिले हैं। पुलिस ने बताया है कि एक सूचना के आधार पर पुलिस ने अभियान चलाया था। पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने गिरफ्तार लोगों की पहचान को सार्वजनिक नहीं किया है। माना जा रहा है कि ड्रग्स की तस्करी में मामले में अन्य लोगों की भी जल्द गिरफ्तारी हो सकती है।

सिलचर-सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस को बिहारा स्टेशन पर नए ठहराव के साथ हरी झंडी

गुवाहाटी (हिंस)। रेल यात्रियों की सुविधा में एक कदम बढ़ाते हुए, पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के लमडिंग मंडल अंतर्गत बिहारा स्टेशन पर ट्रेन संख्या 13176/13175 (सिलचर-सियालदह - सिलचर) कंचनजंघा एक्सप्रेस का दो मिनट के लिए अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। सिलचर के माननीय सांसद (लोकसभा) डॉ. राजदीप राय ने 29 जनवरी को बिहारा स्टेशन पर नए ठहराव के साथ कंचनजंघा एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि सिलचर से ट्रेन संख्या 13176 (सिलचर- सियालदह) कंचनजंघा एक्सप्रेस रवाना होने के बाद उसी दिन बिहारा 13:25 बजे पहुंचेगी और 13:27 बजे प्रस्थान करेगी। सियालदह से ट्रेन संख्या 13175 (सियालदह - सिलचर) कंचनजंघा

एक्सप्रेस रवाना होने के बाद अगले दिन बिहारा 12:00 बजे पहुंचेगी और 12:02 बजे प्रस्थान करेगी। इस नए ठहराव से स्थानीय लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग पूर्ण हुई है।

पंचकल्याणक महोत्सव का पांचवा दिन ज्ञान कल्याणक के रूप में बनाया गया

गुवाहाटी। फैंसी बाजार स्थित आदिनाथ नगर (जेल परिसर) में असम के राज्यकिय अतिथि आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ससंघ एवं मुनि श्री अरिजीत सागर महाराज के पावन सान्निध्य में श्रीमद् 1008 जिनबिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव मे मंगलवार को ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया गया। दिन में ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं संपन्न हुई। वही पंचकल्याणक महोत्सव कि सभी क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य बा. ब्र.हंसमुख शास्त्री के निर्देशन में विधि विधान से संपन्न कराई जा रही है। इस अवसर पर आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को ज्ञान कल्याण की महत्वता के बारे में बतलाते हुए कहा कि ज्ञान की प्राप्ति इसी जीव में होती है। भगवान के समवशरण में भावमंडल में

हर जीव के सात भाव दिखते हैं, अतीत के तीन, भविष्य के तीन और एक वर्तमान का। उन्होंने कहा कि जहां होता है समता का वरण, वहां मिलता है सबको सरण, उसे कहते हैं समवशरण। एक इंद्रिया से पंच- इंद्रिया तक के सभी जीवों को ज्ञान होता है। ज्ञान संस्कार के साथ होना चाहिए। जब ज्ञान संस्कारित होता है तो पाप भी पुण्य देकर जाता है। क्योंकि ज्ञान विवेक, बुद्धि व अच्छे बुरे की पहचान कराता है। आचार्य श्री ने कहा कि आज ज्ञान कल्याण के दिन सभी को संकल्प करना चाहिए की ज्ञानियों की निंदा नहीं करेंगे और स्वाध्याय परम तप जरूर करेंगे। तभी हमारा और इस संसार के सभी जीवों का कल्याण होगा। मालूम हो कि आज मंगलवार को पंचकल्याणक के पाचवें दिन ज्ञान कल्याणक के उपलक्ष में समवशरण कि रचना की गई। जहां इंद्र और भारी जन समुदाय ने ज्ञान कल्याणक के अवसर समवशरण कि आरती कि वही सौधर्म इंद्र, कुबेर इंद्र, यज्ञनायक इंद्र, ईशान इंद्र, सनत इंद्र, महेंद्र इंद्र आदि के परिवारों ने भी भक्ति की। यह जानकारी पंचकल्याणक प्रचार प्रचार समिति द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

ई-वेस्ट संग्रह पर लायंस उमंग का जागरूकता अभियान

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा, समाज सेवा के साथ-साथ प्रकृति की रक्षा करने की दिशा में लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में लायंस जिला 322 जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के अंतर्गत लायंस उमंग की ओर से ई वेस्ट संग्रह तथा इस विषय पर लोगों को जागरूक करने का व्यापक अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत अध्यक्ष कंचन पोद्दार, खुशी खेमानी, निभा सराफ आदि सदस्याओं ने अपने-अपने घरों में रखे पुराने कंप्यूटर, टीवी सेट, मिक्सर ग्राइंडर, कार स्पीकर, फुट मसाजर आदि छह माइल फ्लाई ओवर के नीचे बने लायंस पब्लिक टॉयलेट परिसर स्थित संग्रह केंद्र में जमा

कराकर इस अभियान का शुभारंभ किया। इस जागरूकता अभियान को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याएं जुटी हुई है।

तेममं का वरिष्ठ श्राविका सम्मान कार्यक्रम की शुरुआत

गुवाहाटी (विभास)। तेरापंथ महिला मंडल गुवाहाटी के तत्वाधान में अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा एवं मंत्री ममता दुगड़ के दिशा निर्देशन में वरिष्ठ श्राविका सम्मान का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसके अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल की सदस्या जिनकी उम्र 75 बर्ष से अधिक है, उनके घर जाकर उन्हे शॉल उढ़ाकर सम्मान कर रही है। इसी क्रम में सर्वप्रथम राजलदेसर निवासी 102 बर्षीय माणक देवी दुगड़ का सम्मान किया गया। अध्यक्ष उमराव बोथरा ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत मंडल की बहनो द्वारा बुजुर्ग श्राविकाओ को शॉल उढाना, उनके पुराने अनुभव को सुनना, गीतिका सुनना, सुनना आदि का क्रम चलता है। बुजुर्ग बहनों से मिलकर मंडल के बहनों को अत्यंत ही खुशी का अनुभव हो रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संयोजिका बिमला कोचर, भारती नाहटा, विनीता सुराणा व अन्य कई बहने अपना श्रम दे रही है। इस आशय की जानकारी प्रचार प्रसार मंत्री विनीता सुराणा ने दी है।

नगांव राजस्थानी युवक संघ का तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवाल आयोजित

नगांव (निसं)। राजस्थानी युवक संघ द्वारा तीन दिवसीय स्पोर्ट्स कार्निवल का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। स्पोर्ट्स कार्निवल का शुभारंभ 26 जनवरी को संघ के शांतिपुर स्थित भूमि परिसर में सुबह 10-30 बजे तिरंगा झंडोतलन के साथ हुआ। झंडोतलन कार्यक्रम में महावीर प्रसाद किल्ला, राधेश्याम लोहिया, जगदीश प्रसाद लोहिया, राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा, रघुवीर प्रसाद आलमपुरिया, रतन जाजोदिया, विजय कुमार लोहिया, संजय गाड़ोदिया, अजय मित्तल, के साथ संघ के पूर्व अध्यक्ष पवन गाड़ोदिया, अजित माहेश्वरी, हुलासमल बोथरा, विनोद पोद्दार, महावीर महेश्वरी, निवर्तमान अध्यक्ष मनोज जाजोदिया, कोषाध्यक्ष मालचंद अग्रवाल, प्रधान सचिव विनय अग्रवाल, जनसंपर्क अधिकारी अरुण नागरका, उपाध्यक्ष झूमर मल दुग्गड, सांस्कृतिक सचिव महेश भजनका, कार्यकारणी सदस्य ललित खेतावत, वरुण अग्रवाल, प्रवीण डागा, सहित संघ के अनेक कार्यकर्ता एवं समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। झंडोतलन के पश्चात स्पोर्ट्स कार्निवल(खेलकूद स्पर्धाओं) के प्रायोजक आरजे हुंडई प्राइवेट लिमिटेड के मनोज नाहटा एवं अमित नाहटा के कर कमलों से विधिवत

उद्घाटन किया गया तथा प्रायोजकों एवं अन्य अतिथियों द्वारा बल्ले एवं बाल पर अपना अपना हाथ आजमाया गया। इस कार्निवल में कई प्रतियोगिताएं रखी गई जिसमें बॉक्स क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरेम एव शतरंज शामिल थी। बॉक्स क्रिकेट के अंतर्गत 50 वर्ष की आयु से अधिक महिला एवं पुरुष ने प्रतियोगियों में अंश ग्रहण कर इस कार्निवल को यादगार बना दिया। बॉक्स क्रिकेट में दूधिया रोशनी आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। सभी तरह की प्रतियोगिताओं में पुरुष, महिला तथा बच्चों के अंश ग्रहण करने की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम संयोजक संघ के क्रीड़ा सचिव विवेक बोरड, विकाश कुहाड़ तथा विकास चौरड़िया, के अथक प्रयास एवं मेहनत से सभी प्रतियोगिताएं सुचारू रूप से संपन्न कराई गई एवं समाज के सभी वर्गों द्वारा इस आयोजन को लेकर भूरी भूरी प्रशंसा की गई। यह खेलकूद पूरे समाज में कई दिनों से चर्चित रहा था। दिनांक 28 जनवरी 2023 को रात्रि 7:30 बजे से समापन समारोह का आयोजन संघ भूमि परिसर में किया गया। समारोह का शुभारंभ अध्यक्ष मुकेश पोद्दार के स्वागत भाषण से हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रायोजक अमित नाहटा, मयंक नाहटा एवं युवा समाजसेवी रंजीत लोहिया सहित समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। सभी मुख्य अतिथियों का फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर संघ के कई पूर्व अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित थे। प्रायोजक अमित नाहटा ने संपूर्ण खेल को देखते हुए पूरे आयोजन की सराहना की तथा कहा कि संघ इस तरह के आयोजन जब भी करेगा हम सदैव सहयोग के लिए उनके साथ रहेंगे। जातव्य है कि नगांव राजस्थानी युवक संघ ने पिछले वर्ष भी बॉक्स क्रिकेट का आयोजन किया था जो कि समाज द्वारा काफी सराहाया गया था। इस तरह के कार्निवाल का आयोजन संघ द्वारा प्रथम बार किया गया है।

संपादकीया

मोदी को चुनौती का सच

नीतीश वुमार एक बार फिर भाजपा नीत गठबंधन यानि एनडीए के साथ खड़े दिख रहे हैं। उन्होंने महागठबंधन से पिंड छुड़ाया और एक बड़ा संदेश कांग्रेस को यह दिया कि वह विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं है। इंडिया गठबंधन ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल, केजरीवाल और भगवंत मान के पंजाब व दिल्ली में निर्थक साबित हो चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव से बहुत उम्मीद करना बेकार है। ले-देकर महाराष्ट्र बचा है जहां उसकी दोनों सहयोगी पार्टियों शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना उद्धव गुट की शक्ति क्षीण हो चुकी है। दरअसल कांग्रेस यह तय ही नहीं कर पा रही है कि घटक दलों को बांधकर रखने के लिए क्या करना चाहिए। नीतीश ने कोई एक दिन में नरेन्द्र मोदी के साथ जाने का पैसला नहीं किया है। उन्होंने जब देख लिया कि विपक्षी गठबंधन की अगुआई करने वाले राजनेताओं में संगठन क्षमता का अभाव है, तब उन्होंने एनडीए में जाने का पैसला लिया। दिल्ली में गणतंत्र दिवस की तैयारी और प्रांस के राष्ट्रपति के साथ अपने व्यस्त समय से नरेन्द्र मोदी ने बिहार की राजनीति के लिए वैसे समय निकाला, इससे कांग्रेस नेतृत्व को सीखना चाहिए। नीतीश वुमार के दो परम विरोधी चिराग पासवान और जीतन राम माझी को बुलाकर उन्हें यह समझाना कि बिहार में एनडीए को मजबूत करने के लिए नीतीश को साथ लेना जरूरी है। मोदी चाहते तो चिराग पासवान से बात न करते क्योंकि उनके पास तो कोई भी विधायक नहीं है। लेकिन चिराग को संतुष्ट करने के लिए मोदी ने यह जरूरी समझा। यह मोदी के ही संगठन क्षमता का परिणाम है कि बिहार में एलजेपी के दोनों धड़े एनडीए के घटक दल हैं। यही नहीं एक अफसरशाह के मध्यस्थता में मोदी ने नीतीश से जिस तरह बातचीत कर जनता दल यूनाइटेड के एनडीए में आने के लिए खुलकर चर्चा के लिए समय निकाला, यह भी कांग्रेस नेतृत्व के लिए अनुकरणीय है। सिर्प बातों से मोदी को हराने की परिकल्पना नहीं की जा सकती, इसके लिए मोदी जैसा रणनीतिकार बनना होगा। अब राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा और मोदी की श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यंव्रम की तुलना करके देखा जा सकता है। राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में उनके रणनीतिकार अपनी छवि चमकाने के लिए चिपके हैं। उनमें से लगभग सभी जनाधार विहीन राज्यसभा के सदस्य हैं। चाहे वेणुगोपाल हों या जयराम रमेश, इन सबके पास एक भी चुनाव क्षेत्र नहीं है लेकिन ये लोग राहुल गांधी को लांच करने की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। दूसरी तरफ नरेन्द्र मोदी की रणनीति देखिए। उन्होंने अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा कार्यंव्रम में अपने साथ न तो राजनाथ सिंह को रखा न ही नितिन गडकरी, अमित शाह या किसी बड़े नेता यहां तक कि जेपी नड्डा को। उनकी रणनीति ही यह थी कि वह खुद अयोध्या में आकर्षण के केन्द्र बिन्दु बनेंगे जबकि जितने भी वरिष्ठ मंत्री और पार्टी के नेता हैं वे अयोध्या से बाहर निकलकर इस कार्यंव्रम का प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि ज्यादा दूर-दूर तक इसकी लोकप्रियता को स्थायित्व एवं विस्तार दिया जा सके। दरअसल कांग्रेस में हो क्या रहा है कि मल्लिकार्जुन खड़गे भले ही पार्टी अध्यक्ष बन गए हैं किंतु पैसले राहुल और गांधी परिवार ही लेता है। इसका असर इंडिया गठबंधन पर भी पड़ रहा है। गठबंधन में शामिल घटक दल खड़गे से ज्यादा राहुल से बात करना बेहतर समझते हैं और राहुल हैं कि वह यात्रा में ही मगन हैं। नीतीश से खड़गे ने बात की थी किंतु उन्होंने उन्हें गंभीरता से लिया ही नहीं, यदि नीतीश के साथ बैठकर कांग्रेस नेतृत्व ने प्रयास किया होता तो संभव है, नीतीश इंडिया गठबंधन के लिए सव्रियता से काम करते और एनडीए में जाने का विकल्प ही नहीं चुनते। बहरहाल बिहार में आए राजनीतिक बदलाव के बाद इंडिया गठबंधन किसी भी तरह नरेन्द्र मोदी के लिए चुनौती नहीं रह गया है। चुनाव के पहले ही मोदी जिस तरह एनडीए की सफलता के लिए सारी बाधाओं को दूर कर रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि मोदी 2024 में बिना किसी चुनौती के ही बड़ी जीत को सुनिश्चित करना चाहते हैं।

महागठबंधन से पिंड छुड़ाया और एक बड़ा संदेश कांग्रेस को यह दिया कि वह विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं है। इंडिया गठबंधन ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल, केजरीवाल और भगवंत मान के पंजाब व दिल्ली में निर्थक साबित हो चुका है, जबकि उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव से बहुत उम्मीद करना बेकार है। ले-देकर महाराष्ट्र बचा है जहां उसकी दोनों सहयोगी पार्टियों शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस और शिवसेना उद्धव गुट की शक्ति क्षीण हो चुकी है। दरअसल कांग्रेस यह तय ही नहीं कर पा रही है कि घटक दलों को बांधकर रखने के लिए क्या करना चाहिए। नीतीश ने कोई एक दिन में नरेन्द्र मोदी के साथ जाने का पैसला नहीं किया है। उन्होंने जब देख लिया कि विपक्षी गठबंधन की अगुआई करने वाले राजनेताओं में संगठन क्षमता का अभाव है, तब उन्होंने एनडीए में जाने का पैसला लिया। दिल्ली में गणतंत्र दिवस की तैयारी और प्रांस के राष्ट्रपति के साथ अपने व्यस्त समय से नरेन्द्र मोदी ने बिहार की राजनीति के लिए वैसे समय निकाला, इससे कांग्रेस नेतृत्व को सीखना चाहिए।

अयोध्या में भगवान श्रीराम के 'भव्य, दिव्य मंदिर' की प्राण-प्रतिष्ठा उनके ही संकल्पों की निष्पत्ति है

नरेन्द्र मोदी के राम एवं राष्ट्र को समझें

ललित गर्ग

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया, हम कह सकते हैं कि 1947 में इस देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और अब इसमें आत्मा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई है। निश्चित ही मोदी अब इस नए युग के प्रवर्तन के बाद, नवयुग प्रवर्तक के रूप में भी सामने आए हैं। श्रीरामलला के नूतन विग्रह में प्राण-प्रतिष्ठा की अपूर्व एवं अलौकिक घटना भारत के लिये युगांतरकारी है। हम एक नये युग में पदार्पण कर रहे हैं। यह नवयुग एवं नया दौर आशा और विश्वास के साथ ही जिम्मेदारियों से भरा है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम मंदिर के सफल प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की और एक धन्यवाद प्रस्ताव में कहा कि लोगों द्वारा उनके प्रति दिखाए गए प्यार और स्नेह ने उन्हें 'जननायक' के रूप में स्थापित किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा पढ़े गए इस प्रस्ताव में मोदी को एक नए युग का अग्रदूत बताया गया। क्योंकि उन्हीं की अगुवाई में सोमवार को अयोध्या में संपन्न कार्यक्रम में नवनिर्मित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में श्री रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। प्रस्ताव में यह भी कहा गया, हम कह सकते हैं कि 1947 में इस देश का शरीर स्वतंत्र हुआ था और अब इसमें आत्मा की प्राण-प्रतिष्ठा हुई है। निश्चित ही मोदी अब इस नए युग के प्रवर्तन के बाद, नवयुग प्रवर्तक के रूप में भी सामने आए हैं। श्रीरामलला के नूतन विग्रह में प्राण-प्रतिष्ठा की अपूर्व एवं अलौकिक घटना भारत के लिये युगांतरकारी है। हम एक नये युग में पदार्पण कर रहे हैं। यह नवयुग एवं नया दौर आशा और विश्वास के साथ ही जिम्मेदारियों से भरा है।

नरेन्द्र मोदी के महान एवं ऊर्जस्वल व्यक्तित्व को एक राजनीतिक दल के सर्वोच्च नेता के सीमित दायरे में बांधना उनके व्यक्तित्व को सीमित करने का प्रयत्न है। उन्हें नए राष्ट्र का निर्माता कहा जा सकता है। मोदी जैसे व्यक्ति दो-चार नहीं, अद्वितीय होते हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के माध्यम से स्वस्थ मूल्यों को स्थापित करके राष्ट्र को सजीव एवं शक्तिसम्पन्न बनाने का प्रयत्न किया है। राष्ट्र-निर्माण की कितनी नयी-नयी कल्पनाएं उनके मस्तिष्क में तरंगित होती रहती हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम के 'भव्य, दिव्य मंदिर' की प्राण-प्रतिष्ठा उनके ही संकल्पों की निष्पत्ति है। इसके साथ ही प्राण-प्रतिष्ठा की यह तारीख आने वाले हजारों वर्षों के लिये एक उजाला एवं संकल्प बनते हुए नये इतिहास का सृजन करने वाली शुभ एवं श्रेयस्कर गति है। जैसा कि नरेन्द्र मोदी ने कहा

है, 'यह नये इतिहास-चक्र की भी शुरुआत' है। इस अवसर पर दिये गये संबोधन में मोदी ने अपने संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास' को एक नया आयाम भी दिया है। नरेन्द्र मोदी केवल व्यक्तियों के समूह को राष्ट्र मानने को तैयार नहीं हैं। उनकी दृष्टि में राष्ट्र के सदस्यों में निम्न विशेषताओं का होना आवश्यक है जिस राष्ट्र के सदस्यों में इस्पात सी दृढ़ता, संगठन में निष्ठा, चारित्रिक उज्ज्वलता, कठिन काम करने का साहस और उद्देश्य पूति के लिए स्वयं को झोंकने का मनोभाव होता है, वह राष्ट्र अपने निर्धारित लक्ष्य तक बहुत कम समय में पहुंच जाता है। कहा जा सकता है कि नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र-चिंतन में जो क्रांतिकारिता, परिवर्तन एवं नये दिशाबोध हैं, वे राष्ट्र के चिंतकों को भी चिंतन की नयी खुराक देने में समर्थ हैं। अयोध्या में मोदी ने अपने संबोधन में कहा है, 'राम विवाद नहीं, समाधान है'। उनके इस कथन को व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझा और स्वीकारा जाना चाहिए। यह भी समझा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री का यह कथन देश में संभावनाओं के नये आयाम भी खोल रहा है। राम और राष्ट्र के बीच की दूरी को पाटने का एक स्पष्ट संकेत भी प्रधानमंत्री ने दिया है। इस बात को भी समझने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए कि श्रीराम की महत्ता हिंदू समाज के आराध्य होने में ही नहीं है, बल्कि उन्हें सुशासन का प्रतीक पुरुष एवं शासक समझने में भी है। तभी हमारा राष्ट्र राजनीतिक विसंगतियों से मुक्त होकर सुशासन का आधार बन सकता है। जिसमें हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का हो, प्रगति करने का समान और पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा इस सोच और संकल्प के साथ आयोजित हुआ है कि हमें कुछ नया करना है, नया बनना है, नये पदचिह्न स्थापित करने हैं। बीते वर्षों की कमियों पर नजर रखते हुए उन्हें दोहराने की भूल न करने का संकल्प लेना है। हमें यह संकल्प करना और शपथ लेनी है कि आने वाले वर्षों में हम ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो हमारे उद्देश्यों, उम्मीदों, उमंगों और आदर्शों पर प्रश्नचिह्न टांग दे। अपनी उपलब्धियों का अंकन एवं कमियों की समीक्षा कर इस अवसर पर हर व्यक्ति अपनी विवेक चेतना को जगाकर अपने भाग्य की रेखाओं में राष्ट्रीयता और जिजीविषा के रंग भरें, सामंजस्य एवं सहिष्णुता को जीवन के व्यवहार में उतारने का अभ्यास करें। केवल अपनी भावनाओं को ऊंचा स्थान दे, वह स्वार्थी होता है। स्वार्थी होने की कीमत चुकानी ही पड़ती है। दूसरों की भावना के प्रति उदार बनें। उदार होने का मतलब है आप किसी के कहे बिना भी उनकी भावनाओं को समझें। उसके बारे में सोचें, विचारें। इससे आपके जीने का अंदाज बदल जायेगा। यही जीने की आदर्श शैली का प्रशिक्षण प्राण-प्रतिष्ठा महा-महोत्सव का हार्द है। समूचा देश 'राममय' हो रहा है, इस ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय अवसर पर अपने-पराये का भेद मिटाने की आवश्यकता को भी समझना ज़रूरी है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, अर्थ के नाम पर, भाषा के नाम पर होने वाला कोई भी विभाजन 'राम-राज्य' में स्वीकार्य नहीं हो सकता। सांस्कृतिक अथवा धार्मिक राष्ट्रवाद के नाम पर किसी को कम या अधिक भारतीय आंकना भी राम-राज्य की भावना के प्रतिकूल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अयोध्या में नया मंदिर बनने के बाद हिंदू समाज में एक नया उत्साह है, जो स्वाभाविक भी है। पर हमें इस भाव की सीमाओं को भी समझना होगा। नदी जब किनारा छोड़ती है तो बाढ़ आ जाती है। सरसंघचालक मोहन भागवत ने प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कहा भी था 'जोश के माहौल में होश की बात' करनी ज़रूरी है। यह होश ही वे किनारे हैं जो नदी को संयमित रखते हैं। जीवन का पड़ाव चाहे संसार हो या संन्यास, सीमा, संयम एवं मर्यादा जरूरी है। मर्यादा जीवन का पर्याय है। धरती, अंबर, समन्दर, सूरज, चांद-सितारें, व्यक्ति, धर्म एवं समाज सब अपनी-अपनी सीमाओं में बंधे हैं। जब भी उनकी मर्यादा एवं सीमा टूटती है, प्रकृति प्रलय एवं समाज अराजकता में परिवर्तित हो जाता है। प्रभु श्रीराम के जीवन का कण-कण हमें मर्यादा की बात सिखा रहा है। अपेक्षा है, मानव अनुशासन और संयम को अपनाकर जीवन को संवारे। प्रभु श्रीराम के मन्दिर की प्राण-प्रतिष्ठा का यह पावन अवसर सबको यही संदेश देता है कि संयम, सहिष्णुता एवं समानता से ही समस्याओं का निपटारा संभव है। पथभ्रान्त पथिक के लिये मर्यादा ही सच्चा पथदर्शन बनेगी। युग की उफनती समस्याओं की नदी मर्यादा की मजबूत नाव से ही पार की जा सकेगी।

दृष्टि कोण

कृषि के कायाकल्प का अवसर, किसानों की आय बढ़ाने वाली नीतियों को मिले प्राथमिकता

कृषि देश के आर्थिक और सामाजिक ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एक तरफ एमएसपी बढ़ोतरी और फसल बीमा योजनाओं जैसी हालिया पहलों ने आशा की किरणें जगाई हैं, दूसरी तरफ बढ़ती कृषि लागत, अस्थिर बाजार कीमतें, कर्ज के नीचे दबता किसान, जलवायु परिवर्तन व सीमित बुनियादी ढांचा नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने और नवीन समाधानों की मांग करता है। आगामी बजट नई जमीन तैयार करने और अधिक मजबूत, टिकाऊ व समावेशी कृषि परिदृश्य विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर हो सकता है। जलवायु परिवर्तन सिर्फ कृषि क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए समस्या बनकर उभरी है। बजट में ड्रिप सिंचाई, मृदा संरक्षण तकनीक और सूखा प्रतिरोधी फसल किस्मों को अपनाने जैसी जलवायु-लचीली प्रथाओं को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जैविक खेती के उपकरण और इनपुट के लिए कर छूट और सब्सिडी किसानों को रासायनिक उर्वरकों से दूर जाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। सिंचाई और कृषि प्रसंस्करण के

लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में निवेश जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटा सकता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम कर सकता है। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। बीज, उर्वरक, बिजली और पानी पर भारी सब्सिडी देने के बावजूद अधिकांश किसान लगातार संकट में हैं और आत्महत्या और आंदोलन का कारण बन रहे हैं। भारत में किसानों की औसत आय उससे भी कम बनी हुई है। बजट में उन नीतियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो उनकी आय बढ़ाएं और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करें। पीएम-किसान जैसी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं के लिए आवंटन बढ़ाना बहुत जरूरी है और यह वित्तीय स्थिरता प्रदान कर सकता है। किसानों को उनकी ऊपज का उचित मूल्य देने के लिए पूरे देश में प्रत्येक फसल की घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया जाए। बढ़ती कृषि लागत के बीच भारतीय किसानों को गंभीर ऋण संकट का सामना करना पड़ता है। कर्ज के बोझ तले दबा किसान आत्महत्या करने को मजबूर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, साल 2022 में आत्महत्या करने वाले 5,207 किसानों में से 4,999 पुरुष और 208 महिलाएं थीं। आगामी बजट में ऋण राहत योजनाओं, ब्याज मुक्त ऋणों या फसल बीमा कार्यक्रमों के लिए ज्यादा धनराशि का प्रावधान किया जाना जरूरी है। कृषि प्रगति मजबूत बुनियादी ढांचे पर निर्भर करती है। सिंचाई नहरों, भंडारण सुविधाओं और ग्रामीण सड़कों जैसे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाया जा सकता है। ग्रामीण विद्युतीकरण में निवेश और सूचना प्रौद्योगिकी तक बेहतर पहुंच किसानों को मौसम के पैटर्न, बाजार के रुझान और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में ज्ञान से लैस कर सकती है। खाद्य प्रसंस्करण और पैकेजिंग के बुनियादी ढांचे में निवेश बर्बादी को कम करने, उत्पादों को टिकाऊ बनाने और किसानों के लिए उच्च रिटर्न उत्पन्न करने में मदद कर सकता है। बजट में कृषि शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों में निवेश को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कृषि उद्यमिता और एग्रीटेक स्टार्टअप को बढ़ावा देना नवाचार को बढ़ावा दे सकता है और ग्रामीण युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। उन्नत बीजों, सूखा प्रतिरोधी फसलों और टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए अनुसंधान में निवेश बढ़ाने से कृषि उत्पादकता और आय को बढ़ावा मिल सकता है। महिलाएं भारतीय कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करते हुए उन्हें सशक्त बनाने के लिए बजट में महिला-विशिष्ट कार्यक्रमों और पहल को बढ़ावा देना चाहिए।

कुछ अलग

मध्य भारत का फेफड़ा बचाना होगा

मध्य भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के तीन जिले कोरबा सूरजपुर सरगुजा में एक जंगल है उसका नाम है हंसदेव अरण्य। इस भरपूर जैव विविधता के बीच में गोंड जैसे आदिवासी समुदाय का पुश्तैनी निवास स्थान है। इस वन भूमि को कोयला निकालने के लिए खदान कंपनियों को आवंटित कर दिया गया है। वर्तमान में यहां परसा ईस्ट एवं केते कोल बासेन खदान के लिए 116 हेक्टेयर वन क्षेत्र में फैले लगभग २ लाख से अधिक पेड़ों पर संकट मंडरा रहा है जिसका विरोध यहां के आदिवासी लोग कर रहे हैं। बताया जाता है कि अब तक 107 हेक्टेयर जंगल काटे जा चुके हैं। लगभग एक दशक से हंसदेव के जंगल को कोयले के खदान के लिए नष्ट किया जा रहा है। इसके लिए रात–दिन बड़ी–बड़ी भीमकाय मशीनें जंगल की जड़ों को उधेड़ने का काम कर रही है। यहां पर 10 हजार से अधिक आदिवासी समाज के लोग निवास करते हैं। जिन्हें अपनी जमीन और जंगल से बेदखल होना पड़ेगा। भूगोल के जानकार मानते हैं कि यह जंगल मध्य भारत का फेफड़ा है। जहां से शुद्ध हवा पानी मिट्टी का सतत प्रवाह है और आदिवासी लोगों की आजीविका इसी से चल रही है। हंसदेव (कोरबा) का जंगल झारखंड और उड़ीसा की सीमा से भी लगा हुआ है। माइनिंग के लिए जंगल की नीलामी के बाद से यहां बड़ी संख्या में पेड़ों का कटान चल रहा है। आदिवासी छात्र संगठन ने भी सरकार से कटान रोकने की मांग की है। देश के कोने–कोने के पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता हंसदेव जंगल को बचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार से गुहार लगा रहे हैं। हंसदेव जंगल की कटाई के लिए जिस तरह से रास्ता खोला गया है उसी तरह से पहले भी बक्स्वाहा दिवांग घाटी उत्तराखंड में लाखों पेड़ों की प्रजातियां काटी जा चुकी है। अंधाधुंध जंगल काटने के ये ऐसे उदाहरण है जिसके आधार पर कह सकते हैं कि जिस तरह से ग्लोबल में पर्यावरण को स्वस्थ रखने के लिए हम अपनी भूमिका को रेखांकित करते हैं उसकी सच्चाई स्थानीय स्तर पर कुछ और ही देखने को मिलती है। वन विनाश की ऐसी स्थिति में अवश्य ही हम आने वाली पीढ़ियों के लिए बैंक बैलेंस तो छोड़ सकते हैं लेकिन हवा पानी की बर्बादी करके कोई भी मनुष्य बैंक से पैसे निकाल कर असुरक्षित पर्यावरण में जीवन नहीं जी सकता है लेकिन आदिवासी लोग अपने जंगल की उपयोगिता को अच्छी तरह से समझते हैं जिसका उदाहरण है कि वे इस कंपकंपाती ठंड में भी अपने बच्चों और महिलाओं के साथ दिन–रात रैली प्रदर्शन जुलूस निकालकर हंसदेव जंगल को बचाने की मांग कर रहे हैं। ॥ चिंताजनक है कि कोई भी राजनीतिक दल कंधा–से–कंधा मिलाकर प्रत्यक्ष रूप से उनका साथ नहीं दे रहे हैं। स्थानीय नेता यदा–कदा अपने वोट बैंक के लिए क्षण भर के लिए जरूर साथ हो जाते हैं लेकिन पूरी तरह से जंगल बचाने के इस आदिवासी प्रयास के साथ जनप्रतिनिधियों की हिस्सेदारी संतोषजनक नहीं दिखाई दे रही है। वैसे भी पर्वतीय इलाके हो या आदिवासी क्षेत्र में जहां लोग थोड़ा भी पढ़–लिखकर नौकरी के लिए बाहर चले गए हैं वहां भी पलायन कर गए लोग अपने यहां के जंगल बचाने में कोई सहयोग नहीं कर पाते हैं। यह जगजाहिर है कि जहां पर भी प्राकृतिक संसाधनों की कीमत पर विकास परियोजनाएं और खनन की शुरुआत होती है; वहां सबसे पहले संबंधित क्षेत्र के नवयुवक नौकरी के लिए कंपनियों के मालिक से मिलने लगते हैं। उनके सामने चाहे उनके जंगल कट रहे हों या उनकी खेती–बाड़ी नष्ट हो रही हो; उसका वे जरा भी विरोध नहीं कर पाते हैं। किसी भी परियोजना प्रभावित क्षेत्र में इस अल्प समय के रोजगार में शामिल होने वाले नौजवानों की संख्या हजारों तक भी पहुंच जाती है और वे पैसे के लालच में अपने प्राकृतिक संसाधनों की पूरी कीमत खो बैठते हैं। और स्थानीय विरोध के चलते भी लोगों की स्थाई जीवनशैली को बहुत बड़ा भारी नुकसान पहुंचता है।

देश दुनीया से

फलस्तीन का अतीत और वर्तमान, इस क्रूरतम संघर्ष के लिए अमेरिका, इंग्लैंड के साथ जर्मनी जिम्मेदार

फलस्तीनियों के प्रति रवैया अच्छा नहीं था, जो उसके आने के बहुत पहले से यहां रह रहे थे। वह इवलिन से कह रहे थे, 'अगर अंग्रेज चले गए, और हमारा उदार शासन शुरू हुआ, तो हमारे कुछ विचार उन्हें बदल देंगे। निश्चित रूप से इस विशाल रेगिस्तान में हमारे आसपास उन्हें कोई अच्छी जगह मिल जाएगी।...हम उन्हें उनकी जमीन के पैसे देंगे। हम उनके साथ धोखा नहीं करेंगे ... हम भविष्य में विश्वास करते हैं।' इसे पढ़ते हुए मुझे यहूदी विचारक मार्टिन बुबेर की याद आई, जिन्होंने वर्ष 1938 में महात्मा गांधी को लिखी अपनी चिट्ठी में लगभग इसी से मिलती–जुलती बातें कही थीं।

बंगलूरू में सेकेंड हैंड किताबों की दुकानों से गुजरते हुए मेरी नजर व्हेन आई लिव्ड इन मॉडर्न टाइम्स नाम के एक उपन्यास पर पड़ी। इसकी लेखिका लिंडा ग्रांट थीं, जिनका नाम मैंने पहले नहीं सुना था। लेकिन इसके शीर्षक ने मुझे आकर्षित किया, जिससे यह पता चलता था कि फलस्तीन की पृष्ठभूमि में यह उपन्यास इस्राइल के गठन से कुछ समय पहले ही लिखा गया था, जब उस क्षेत्र पर ब्रिटिशों का नियंत्रण था। यह तथ्य मेरे लिए इस उपन्यास को खरीदने के लिए काफी था। चूंकि फलस्तीन में जारी संघर्ष अभी सुर्खियों में है, लिहाजा मुझे लगा कि इससे मिलती-जुलती पृष्ठभूमि का काल्पनिक चित्रांकन राह दिखाने वाला हो सकता है। मैं निराश नहीं हुआ। इस उपन्यास की केंद्रीय पात्र बीस साल की एक यहूदी युवती इवलिन सर्ट है, जो ब्रिटेन में पली-बढ़ी, लेकिन दूसरे विश्वयुद्ध के तुरंत बाद वह यह देखने के लिए फलस्तीन चली गई कि वहां बनने जा रहे नए यहूदी राष्ट्र के लिए वह क्या कर सकती है। वह रास्ते में एक किबुत्ज में ठहरती है, जिसका मालिक समाजवादी विचारों वाला एक रूसी यहूदी है और जिसका आसपास के क्षेत्रों में बड़ा भारी प्रभाव है। किबुत्ज के इस कट्टरवादी नेता का उन स्थानीय फलस्तीनियों के प्रति रवैया अच्छा नहीं था, जो उसके आने के बहुत पहले से यहां रह रहे थे। वह इवलिन से कह रहे थे, 'अगर अंग्रेज चले गए, और हमारा उदार शासन शुरू हुआ, तो हमारे कुछ विचार उन्हें बदल देंगे। निश्चित रूप से इस विशाल रेगिस्तान में हमारे आसपास उन्हें कोई अच्छी जगह मिल जाएगी।...हम उन्हें उनकी जमीन के पैसे देंगे। हम उनके साथ धोखा नहीं करेंगे ... हम भविष्य में विश्वास करते हैं।' इसे पढ़ते हुए मुझे यहूदी विचारक मार्टिन बुबेर की याद आई, जिन्होंने वर्ष 1938 में महात्मा गांधी को लिखी अपनी चिट्ठी में लगभग इसी से मिलती-जुलती बातें कही थीं। हालांकि कट्टर यहूदियों के विपरीत बुबेर अरबों और यहुदियों में मेल-जोल में यकीन रखते थे, लेकिन उनका भी मानना था कि यहूदी अरबों को शिक्षित करने का काम करेंगे। खेती करने के अरबों के प्राचीन तरीकों को देखते हुए बुबेर का दावा था कि अरबों को और उनके तौर-तरीकों को बदलने के लिए यहूदी जरूरी हैं। जैसा कि उनका कहना था, यहां की मिट्टी से पूछें कि 1,300 साल तक उसके लिए अरबों ने क्या किया, और हमने मात्र पचास साल में क्या कर डाला! मार्टिन बुबेर फलस्तीन के अरबों को कमतर नस्ल के रूप में देखते थे। गांधी जी को लिखी चिट्ठी में उन्होंने कहा था, 'यहां की मिट्टी हमें पहचानती है।...यहूदी किसानों ने अपने फलस्तीनी किसानों को सिखाना शुरू किया है कि खेती कैसे करते हैं। हम आगे भी इन फलस्तीनियों को सिखाने की इच्छा रखते हैं।' इवलिन किब्तुज के ग्रामीण जीवन से ऊबकर आधुनिक शहर तेल अबीव में पहुंचती है। वहां यहूदियों की आबादी में वह एक अपार्टमेंट किराये पर लेती है और एक अत्याधुनिक महिला श्रीमती लिंज से दोस्ती गांठती है, जो बर्लिन की है। शहर में एक अतिवादी युवा यहूदी से उसकी निकटता बढ़ती है, जो एक सशस्त्र अतिवादी समूह इर्गुन का सदस्य है। इर्गुन

के लोग किंग डेविड होटल पर बमबारी करते हैं, जिसमें ब्रिटिशों के साथ कुछ यहूदी भी मारे जाते हैं। उपन्यास के अंत में 70 साल की इवलिन द्वारा अपने जीवन का सिंहावलोकन होता है। फलस्तीन में एक साल बिताने के बाद इवलिन ब्रिटेन चली जाती है, जहां वह एक यहूदी संगीतकार से शादी करती है। दशकों बाद पति की मृत्यु के बाद वह तेल अबीव लौटती है, जहां वह जीवन के बाकी वक्त बिताने का फैसला करती है। उसकी पुरानी पड़ोसन श्रीमती लिंज जब वह फलस्तीनियों पर इस्राइल व उसकी सेना के वर्चस्ववादी रवैये के बारे में बताती हैं, तो इवलिन को बहुत बुरा लगता है कि आखिर एक यहूदी ऐसा कैसे कर सकता है। 1990 के दशक में जब यह उपन्यास लिखा गया, तब ओस्लो समझौते की विफलता स्पष्ट हो चुकी थी और इसने लिंडा ग्रांट को 1940 के दशक में संघर्ष की उत्पत्ति का एक काल्पनिक वर्णन करने के लिए प्रेरित किया। लेकिन आज जबकि इस्राइल-फलस्तीन संघर्ष अपने क्रूरतम मोड़ पर पहुंच चुका है, यह उपन्यास पढ़ना काफी मार्मिक और गंभीर अनुभव था। उपन्यास यहूदियों की अद्वितीय पीड़ा, यूरोप में बड़े पैमाने पर यहूदी-विरोधी भावना, हिटलर द्वारा अंजाम दिए गए नरसंहार और इस्राइल के निर्माण के बाद भी पश्चिम एशिया के देशों में यहूदियों के उत्पीड़न की याद दिलाता है।

आप का नजरीया

आस्था को बनाया जा रहा है वर्चस्व का हथियार

अयोध्या में श्रीराम के बाल विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद से देश-दुनिया में बयानबाजी के माध्यम से अशान्ति पैलाने का काम शुरू हो गया है। भड़काऊ वत्तव्य, पुराने वीडियो और नयी मनगढन्त संभावनाओं का बाजार गर्म है। कट्टरता के बीज बोने वाले सव्रिय हो गये हैं। अनेक संगठनों के देशीविदेशी संस्थान जहर उगलने लगे हैं। व्रिया पर प्रतिव्रियायें भी सामने आ रहीं हैं। आस्था को वर्चस्व का हथियार बनाया जाने लगा है। श्रध्दा को दिखावे, भत्ति को भौंकाल और आत्मिक शान्ति को प्रदर्शन की वस्तु बना दी गईं है। निजिता के आयामों को बाजार की सड़कों पर दुकानों की तरह सजाया जाने लगा है। स्वयं की संतुष्टि के लिए किये जाने वाले परा-विज्ञान के प्रयोग अब चौराहों पर आकार लेने लगे हैं। श्रीराम आस्था के मुद्दे को विवादित बनाने वाले वुछ राजनैतिक दल स्वयं को लोकतंत्र का सबसे बड़ा पोषक बनाकर प्रस्तुत करते आये हैं जबकि ऐसे दल की केन्द्रीय सरकार ने अपने कार्यंकाल के दौरान ही धर्म के संबंध में कानूनी दांव खेलाकर सत्ता पर काबिज रहने की अपनी मंशा को जाहिर कर दिया था। देश के आन्तरिक मामलों में दूसरे देशों का वूदना, मानवता की आड़ लेकर हो-हल्ला मचाना तथा मनगढन्त आंकड़ों को प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करना निरंतर जारी है। स्वयं गुड खाने वाले वाले दूसरों को गुड़ न खाने की सीख देने पर आमादा हैं। देश से पदम्म पुरस्कार पाने वाले भी ज्ञानवापी पर मंदिर की स्वीकारोत्ति देते हुए हालातों पर प्रश्न चिन्ह अंकित कर रहे हैं। आखिर कब तक ऐसा चलता रहेगा, जैसे सवाल करने वाले शायद यह कहना चाहते हैं कि जहरीली चालों की दम पर गुलाम बनाने वाले जुल्म करते रहे हैं, करते रहेंगे और शान्ति को अंगीकार करने वाले जुल्म सहते रहे हैं, सहते रहेंगे। यदि गुलामी के निजात पान गलत था तो फिर देश को आजाद कराना ही नहीं चाहिए था। दासता की बेड़ियों को ही मुकद्दर मान लेना चाहिए था। मानवीय प्रवृति के वशीभूत होकर ही विरासत वापिस लेने की मानसिकता पनपती है। परतंत्रता के निशान भी जुल्म के नासूरों को निरंतर बहा रहे हैं। कहीं सुलतान रहने का अहंकार जागता है तो कहीं गुलाम रहने की पीड़ा कसकती है। सांस्वृतिक विरासत और आस्था के आदर्श अलग-अलग होते हैं किन्तु वर्तमान में देश की प्राचीन संस्वृति को धर्म से जोड़कर परोसा जाने लगा है। स्वाधीनता संग्राम के दौरान ही राजनीति के नाम पर वुटिल नीतियां, चालाकियां और चालबाजियां चरम सीमा की ओर बढ चलीं थीं। वास्तविक राष्ट्र-भत्तों को फांसी के पंदों तक पहुंचने वालों ने ही गोरों की कठपुतली बनकर मां भारती की पीठ में खंजर भौंकने का काम किया था। प्राचीन संस्कति के अनुसार व्यत्तिगत रूप से मानसिक संतुष्टि के लिए किये जाने वाले उपाय हमेशा से ही एकान्त में ही होते रहे हैं। उन्हें चिल्लाकर करने की मनाही थी। देवालयों में भी छोटी सी घंटी के सहारे आरती का गायन किया जाता था। घरों के आंगन में ही श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह आदि आयोजित होते थे।

बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद राहुल की न्याय यात्रा प्रभावित

पटना (हिंस)। बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद लालू यादव की पार्टी राजद को जोर का झटका लगा है। साथ ही कांग्रेस की भारत जोड़ा न्याय यात्रा पर भी इसका खासा असर पड़ा है। पूर्णिया में राहुल गांधी के साथ एक मंच पर लालू यादव और तेजस्वी यादव के नहीं होने से कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा है। राहुल बिहार में अपने सहयोगी दलों के साथ जो ताकत दिखाना चाहते थे, वैसा कुछ भी वे नहीं कर पाए हैं। बिहार में अपनी मजबूत ताकत दिखाने के लिए कांग्रेस की ओर से भारत जोड़ो न्याय यात्रा किशनगंज के रास्ते बिहार में प्रवेश कर चुकी है। उम्मीद थी कि 30 जनवरी को पूर्णिया में होने वाली राहुल गांधी की जनसभा में कांग्रेस अपने सहयोगी दलों को एक मंच पर लाकर एकजुटता का संदेश देगी लेकिन लालू यादव और तेजस्वी यादव को नौकरी के बदले जमीन घोटाले में पूछताछ के लिए ईडी द्वारा बुलाने से कांग्रेस और राहुल गांधी को झटका लगा है। राहुल गांधी की पूर्णिया जनसभा में कांग्रेस अपनी ताकत दिखाना चाहती है। इसके लिए कांग्रेस ने पिछले करीब 15 दिनों से बड़ी तैयारी की थी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने आईएनडीआई गठबंधन के घटक दलों को भी आमंत्रित किया था। इसमें लालू यादव और तेजस्वी यादव भी शामिल थे। उम्मीद थी कि लालू और तेजस्वी के पूर्णिया में राहुल गांधी के साथ मंच साझा करने से भरी भीड़ जुटती। इतना ही नहीं राहुल, लालू और तेजस्वी के एक साथ मंच पर आने से कांग्रेस और राजद की एकजुटता का भी परिदृश्य दिखता लेकिन ईडी की पूछताछ ने कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

चंडीगढ़ में नगर निगम चुनाव में भाजपा ने इंडी गठबंधन को दी करारी मात

नगर निगम के मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर व डिप्टी मेयर पर भाजपा का कब्जा

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ नगर निगम के प्रतिष्ठित चुनाव में विपक्ष के आईएनडीआईए (इंडी गठबंधन) को भारतीय जनता पार्टी ने करारी मात दी है। भाजपा ने नगर निगम के मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर पद पर कब्जा कर लिया है। मतगणना में चुनाव अधिकारी की ओर से विपक्षी गठबंधन के आठ वोटों को अमान्य कर देने पर आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस ने हाई कोर्ट में दस्तक दी है। कई दिनों की राजनीतिक उठापटक और सियासी घमासान के बीच भाजपा के मनोज सोनकर ने विपक्ष के इंडी गठबंधन के उम्मीदवार कुलदीप टीटा को चार वोटों से हरा दिया। मेयर पद के लिए 35 पार्षदों ने वोट डाला। जिनमें से भाजपा के मनोज सोनकर को 16 तथा आम आदमी पार्टी व कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार को 12 वोट मिले। मतगणना में चुनाव अधिकारी ने इंडी गठबंधन की आठ वोटों को अमान्य कर दिया। मंगलवार को मेयर पद के चुनाव के बाद सदन में काफी देर तक हंगामा होता रहा। कांग्रेस व आप पार्षदों ने सदन से बहिष्कार कर दिया। इसके बाद सीनियर डिप्टी मेयर के चुनाव में विपक्षी पार्षदों ने भाग नहीं लिया और भाजपा के कुलजीत सिंह को इस चुनाव में 16 वोट मिले और वह सीनियर डिप्टी मेयर चुन लिए गए। इसके बाद हुए डिप्टी मेयर चुनाव में भी भाजपा उम्मीदवार राजिंदर शर्मा जीत गए। चुनाव प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस ने फिर से हाई कोर्ट में दस्तक दी है। दोनों दलों ने याचिका दायर करके चुनाव प्रक्रिया स्थगित करने की मांग की है। चंडीगढ़ नगर निगम में मेयर चुनाव जीतने के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट करके समूची लीडरशिप को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा चंडीगढ़ यूनिट को लंबे समय से मेयर चुनाव का इंतजार था। वह इस जीत के लिए चंडीगढ़ यूनिट को बधाई देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चंडीगढ़ में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन को मिली हार ने साफ कर दिया है कि लोग काम में विश्वास करते हैं, न की छल-कपट की राजनीति को पसंद करते हैं। दूसरी तरफ आप सुप्रीमो एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में दिनदहाड़े जिस तरह से बेईमानी की गई है, वो बेहद चिंताजनक है। यदि एक मेयर चुनाव में ये लोग इतना गिर सकते हैं तो देश के चुनाव में तो ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह बेहद चिंताजनक है।

शिक्षण संस्थानों में सभी के लिए हो समान यूनिफॉर्म : विश्व हिंदू परिषद

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के स्कूलों में ड्रेस कोड या बुर्का-हिजाब पहनने के विवाद पर विश्व हिंदू परिषद ने समान गणवेश का समर्थन किया है। विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय मंत्री सुरेश उपाध्याय ने कहा कि अनुशासन के लिए सभी शिक्षण संस्थानों में समान गणवेश अनिवार्य होना चाहिए। विद्यालयों में गणवेश का उद्देश्य है कि सभी छात्रों के मन में समता का भाव हो तथा वेशभूषा के कारण सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक या अन्य किसी प्रकार का भेदभाव उत्पन्न न हो। उन्होंने उच्च न्यायालय कर्नाटक के निर्णय का उदाहरण देते हुए कहा कि हिजाब इस्लाम का अनिवार्य भाग न होकर स्वेच्छा पर निर्भर है। रामगंज में हुए विवाद पर उन्होंने कहा कि स्कूल की छोटी छात्राएं इस प्रकार के आंदोलन को अंजाम देने में सक्षम नहीं हैं। देश के आपसी सौहार्द को बिगाड़ने के लिए अलगाववादी सोच रखने वाले कुछ लोग बच्चियों को मोहरा बनाकर सड़क पर प्रदर्शन करवा रहे हैं तथा प्रदेश में शांति भंग करने का षड्यंत्र कर रहे हैं जिनपर राज्य सरकार तथा प्रशासन द्वारा कठोरतम कार्रवाई की जानी चाहिए। विश्व हिंदू परिषद क्षेत्रीय मंत्री ने प्रदेश और देश में चल रहे लैंड जिहाद पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज कई स्थलों पर वक्फ बोर्ड ने अनैतिक रूप से कब्जा कर लिया है। मेवात जिले के 90 से ज्यादा गांव आज हिंदू विहीन हो गए हैं और साइबर क्राइम का गढ़ बन चुके हैं। इन गांव में गौ तस्करी, ड्रग्स एवं अन्य साइबर क्राइम को छोटे-छोटे बच्चे भी अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी केंद्र और राज्य सरकार से मांग है कि देश में एक ही कानून के अनुसार काम हो और समान रूप से सब उसकी पालना करें।

पीएम मोदी नेतृत्व में आम कार्यकर्ता भी बन सकता है मुख्यमंत्री : बिप्लब देब

प्रदेश प्रभारी ने फरीदाबाद में किया बीजेपी लोकसभा सीट के कार्यालय का उद्घाटन

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा में भाजपा ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों का शंखनाद कर दिया है। मंगलवार को प्रदेश की सभी 10 लोकसभा सीटों पर पार्टी ने अपने कार्यालय खोले। इनका उद्घाटन प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब ने फरीदाबाद में किया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, प्रदेश उपाध्यक्ष विपुल गोयल, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, विधायक सीमा त्रिखा, आदि मौजूद रहे। प्रदेश प्रभारी ने मंच से कहा कि जिसके स्वभाव में जीत ही जीत है, वह नरेंद्र भाई मोदी हैं। फरीदाबाद में कृष्ण पाल गुर्जर नरेंद्र मोदी को स्कूटर पर लेकर घूमते थे। उन्होंने कहा कि पार्टी के सामने कोई लड़ने वाला नहीं है। तलवार तभी निकलती है जब सामने कोई लड़ने वाला हो। आज चैलेंज देने वाला कोई नहीं है। आज मोदी सर्वप्रिय हैं। हर व्यक्ति उनसे

जुड़ना चाहता है। हम सभी को अध्यक्ष नहीं बना सकते। जब तक मोदी के नेतृत्व में सरकार है, तब तक एक आम कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री बन सकता है। लेकिन, कांग्रेस में परिवार के बाहर छोटा पद भी नहीं मिल सकता। अगर मुख्यमंत्री बनना है तो व्यक्ति को गांधी परिवार में जन्म लेना होगा। अयोध्या में रामलला की प्रतिमा स्थापना के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंक चुके हैं। इसी कड़ी में हरियाणा में भी भाजपा ने दूसरी बार 10 की 10 लोकसभा सीटों को साधने की तैयारी कर ली है। सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों में अपने कार्यालय खोल कर इसकी शुरुआत होगी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने भी विपक्ष पर निशाना साधा। बोले कि राम मंदिर को लेकर हमेशा विपक्ष सवाल उठता था। कहता था कि मंदिर वहीं बनाएंगे, लेकिन तारीख नहीं बताएंगे। अब तारीख भी बता दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पर लोगों ने विश्वास जताया है। वह इस पर खरे उतरेंगे और हरियाणा में 10 की 10 लोकसभा सीटें जीतेंगे।

विधायक ने दोनों डिप्टी सीएम से मुलाकात कर की विकास योजनाओं पर चर्चा

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी ने मंगलवार को प्रदेश के दोनों उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा से मुलाकात की और बधाई देते हुए विधानसभा क्षेत्र की लंबित कई योजनाओं को लेकर चर्चा की। फारबिसगंज विधायक विधासागर केसरी उर्फ मंचन केसरी बिहार सरकार के मंत्री डॉ. प्रेम कुमार से भी मिलकर उन्हें ढेर सारा बधाई दी। विधायक केसरी ने कहा दोनों उपमुख्यमंत्री से सड़क एवं पुल-पुलियों निर्माण समेत कृषि उत्पादन बाजार समिति के शेष बचें कार्य की जानकारी दी गई। इस मौके पर विधायक ने कहा डबल इंजन की सरकार बनने से विकास योजनाओं में तेजी आएगी। पिछली सरकार में कई विकास योजनाओं को रोक दिया गया था। एनडीए सरकार बनने से फिर से इस योजनाओं के कामों में गति मिलेगी। उन्होंने कहा नई सरकार बनने के साथ बिहार को 15 महीनों के राहु-काल से मुक्ति मिली और 2020 के जनादेश का सम्मान हुआ है। केंद्र और राज्य में एनडीए गठबंधन की सरकार होने से

विकास कार्यों को गति मिलेगी और राज्यवासियों की बेहतरी होगी। उन्होंने कहा फारबिसगंज अम्हारा मुरबल्ला सड़क मार्ग का जल्द ही शिलान्यास किया जाएगा और इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू होगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के पूरब के इलाके के लोगों का वर्षों पुरानी मांग पूरी होने वाली है।

उप्र में आठ जिलों के जिलाधिकारी समेत कई आईएएस का तबादला

लखनऊ (हिंस)। राज्य सरकार ने सोमवार बीती रात को उत्तर प्रदेश में 19 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। इसमें कई जिलों के जिलाधिकारी बदले गए हैं। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रशासनिक अधिकारियों में तबादले का दौर शुरू हो गया है। इसी कड़ी में सोमवार की देर रात को शासन ने कानपुर, गाजियाबाद, अलीगढ़, रामपुर, अमेठी सहित कई जिलों के जिलाधिकारी समेत कई आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। कानपुर के जिलाधिकारी विशाख जी को अलीगढ़ का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। वह काफी समय से यहां पर तैनात थे। उनकी जगह पर गाजियाबाद के जिलाधिकारी आरके सिंह को इसी पद पर कानपुर भेजा गया है। बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जोगिंदर सिंह को पीलीभीत का जिलाधिकारी, अलीगढ़ के जिलाधिकारी इंद्र विक्रम सिंह को गाजियाबाद जिलाधिकारी, फर्रुखाबाद के जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह प्रथम को रामपुर भेजा गया है। इसी तरह रामपुर के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मंदर को जौनपुर का जिलाधिकारी बनाया गया है। जौनपुर के जिलाधिकारी अनुज झा को एसीईओ राज्य निर्वाचन आयोग बनाया गया। श्रम विभाग में तैनात निशा आनंद डीएम अमेठी बनायी गयीं है। राज्य संपत्ति अधिकारी वीके सिंह जिलाधिकारी फर्रुखाबाद बनाए गए हैं। गाजियाबाद और रामपुर के जिलाधिकारी को चुनाव आयोग में तैनाती के तीन साल की अवधि के मानक के तहत वहां से स्थानांतरण किया गया है। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के विशेष सचिव दिव्यांशु पटेल को मुरादाबाद का नगर आयुक्त और आगरा के मुख्य विकास अधिकारी मनिकनंदन ए को बरेली विकास प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा कई आईएएस के तबादले इधर-उधर विभाग में किए गए हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खोजने वाले को 11 हजार रुपए का इनाम : बाबूलाल मरांडी

रांची (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को झारखंड के लोगों से मार्मिक अपील की। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खोजकर लाने वाले को 11 हजार रुपए का इनाम देने का ऐलान भी किया। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया साइट *एक्स* पर लिखा कि हमारे राज्य के मुख्यमंत्री केंद्रीय एजेंसियों के डर के मारे पिछले करीब 40 घंटे से लोकलाज त्याग कर लापता हैं। चेहरा छिपाकर भागे-भागे फिर रहे हैं। यह न सिर्फ मुख्यमंत्री की निजी सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता की सुरक्षा, इज्जत, मान-सम्मान भी खतरे में है।

जम्मू और कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी ने घोषणापत्र समिति का किया गठन

जम्मू (हिंस)। जम्मू और कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष विलक्षण सिंह ने मंगलवार को घोषणापत्र समिति का गठन करके भविष्य के लिए पार्टी के दृष्टिकोण को आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। समिति आगामी संसदीय चुनावों के लिए पार्टी के घोषणापत्र को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बलवान सिंह (राज्य महासचिव) घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में दो उप समितियां होंगी जिनमें एक जम्मू प्रांत के लिए और दूसरी कश्मीर प्रांत के लिए। पार्टी की घोषणापत्र समिति में निम्नलिखित दो उप-समितियां शामिल होंगी। जम्मू प्रांत के लिए उप-समिति में नरेश चिब (राज्य महासचिव), राजेश गोंधी (राज्य महासचिव), रविंदर जामवाल (राज्य सचिव) और शाम गोरखा (प्रांतीय अध्यक्ष जम्मू) जबकि कश्मीर प्रांत के लिए उप-समिति में एडवोकेट इश्फाक अहमद खान (राज्य उपाध्यक्ष), हकीम आरिफ अली (राज्य सचिव), जहांगीर अहमद खान (राज्य सचिव) और फारूक अहमद डार (प्रांतीय अध्यक्ष जम्मू) शामिल होंगे। एक व्यापक और समावेशी घोषणापत्र सुनिश्चित करने के प्रयास में जो घटकों की विविध आवश्यकताओं और चिंताओं को संबोधित करता है घोषणापत्र समिति पूरे क्षेत्र में विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ जुड़ेगी। समिति का उद्देश्य समाज के व्यापक स्पेक्ट्रम से अंतर्दृष्टि, राय और सिफारिशें एकत्र करना है ताकि एक ऐसा दस्तावेज बनाया जा सके जो वास्तव में लोगों की आकांक्षाओं और प्राथमिकताओं को दर्शाता हो। विलक्षण सिंह ने पार्टी के एजेंडे को आकार देने में समावेशी दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। विलक्षण सिंह ने कहा कि घोषणापत्र समिति पार्टी और समुदाय के बीच एक सेतु का काम करेगी जिससे यह सुनिश्चित होगा कि लोगों की चिंताएं और अपेक्षाएं हमारे चुनावी वादों में सबसे आगे हों। समिति विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे और अन्य जैसे प्रमुख मुद्दों पर इनपुट एकत्र करने के लिए सामाजिक संगठनों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें आयोजित करेगी। ये बातचीत पार्टी के घोषणापत्र को अंतिम रूप देने का आधार बनेगी। जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी पारदर्शिता, जवाबदेही और भागीदारीपूर्ण शासन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। घोषणापत्र समिति का गठन लोगों की जरूरतों के प्रति समावेशिता और जवाबदेही के पार्टी के मूल मूल्यों के अनुरूप है। समिति द्वारा इस महत्वपूर्ण कार्य को शुरू करने के साथ ही जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी सभी संबंधित हितधारकों को सक्रिय रूप से भाग लेने और प्रक्रिया में योगदान देने के लिए आमंत्रित करती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अंतिम घोषणापत्र वास्तव में लोगों की सामूहिक इच्छा और दृष्टिकोण को दर्शाता है।

सरकार ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन करने पर लगाया प्रतिबंध

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में अब कोई भी व्यक्ति शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन नहीं कर सकेगा। हरियाणा सरकार ने मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में डेड-बॉडी (मृत शरीर) के अधिकार और गरिमा को बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इस बैठक में *द हरियाणा ऑनरेबल डिस्पोजल ऑफ डेड बॉडी बिल, 2024* को मंजूरी दी गई। इस कानून का उद्देश्य किसी मृत शरीर का सभ्य और समय पर अंतिम संस्कार सुनिश्चित करना है। मृत व्यक्ति की पवित्रता की रक्षा करने और समय पर अंतिम संस्कार में बाधा डालने वाले किसी भी अनुचित विरोध या आंदोलन को रोकने की आवश्यकता को पहचानते हुए, यह विधेयक स्पष्ट रूप से शवों के निपटान के संबंध में किसी भी मांग या प्रदर्शन पर रोक लगाता है। प्रस्तावित कानून उन मामलों में सार्वजनिक अधिकारियों की जिम्मेदारी पर भी जोर देता है जहां परिवार के सदस्य मृत शरीर को अस्वीकार कर देते हैं, जिससे उचित अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया जाता है। ऐसे मामलों में पब्लिक अथॉरिटी को कदम उठाने और मृत शरीर के लिए गरिमापूर्ण और समय पर अंतिम संस्कार सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है।

ग्रामीण ओलंपिक खेलों में यदि भ्रष्टाचार हुआ है तो इसकी जांच करवाई जाएगी : खेल मंत्री

जयपुर (हिंस)। खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के समय हुए राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों में केवल टी-शर्ट इत्यादि की खरीद पर हुए व्यय में यदि कोई भ्रष्टाचार हुआ है तो राज्य सरकार वित्त विभाग के माध्यम से इसकी पूरी जांच कराएगी। कर्नल राठौड़ प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह गंभीर चिन्ता का विषय है कि पूर्ववर्ती सरकार के समय 126 करोड़ रुपए की राशि इनकी खरीद पर व्यय कर दी गई। उन्होंने कहा कि खेल विभाग के बजट से भी 4 गुना अधिक बजट इन खेलों के आयोजन में किया गया और किसी भी नए स्टेडियम अथवा स्थायी परिसंपत्ति का निर्माण नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्य खेल अधिकारी के चयन को लेकर भी किसी तरह की अनियमितता हुई है तो उसकी भी जांच कराई जाएगी। इससे पहले विधायक मनोज कुमार के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खेल मंत्री ने बताया कि प्रदेश में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल-2022 में 40 करोड़ 92 लाख 56 हजार 890 रुपए की राशि व्यय हुई। इसी प्रकार राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेल- 2023 में 155 करोड़ 46 लाख 72 हजार 500 रुपए की राशि व्यय हुई। राठौड़ ने बताया कि ग्रामीण ओलंपिक खेलों के आधार पर राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभाओं के चयन या सरकारी सेवा में आउट ऑफ टर्न नियुक्ति दिए जाने का प्रावधान नहीं है। कर्नल राठौड़ ने बताया कि ग्रामीण ओलंपिक खेलों में हुए व्यय की अभी तक कोई जांच नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि विधायक की मांग को देखते हुए ग्रामीण ओलंपिक खेलों में हुए व्यय की जांच करवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि राजस्थान क्रीड़ा सहायता अनुदान नियम के तहत 7 हजार 145 आवेदन प्राप्त हुए, जिनकी समीक्षा व प्रमाणीकरण पश्चात पात्र खिलाड़ियों को देय राशि का निर्धारण होगा। उन्होंने बताया कि आउट आफ टर्न सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए 142 खिलाड़ियों के आवेदन चयन प्रक्रियाधीन है।

शिक्षक की शिकायत से आहत छात्र ने की आत्महत्या

चंडीगढ़(हिंस)। संगरूर जिले में स्थित मेरिटोरियस स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र ने परीक्षा में नंबर कम आने पर सोमवार की रात हॉस्टल में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को सिविल अस्पताल में रखवा दिया है। अध्यापक ने छात्र की पढ़ाई न करने की उसके परिजनों से शिकायत की थी। जानकारी के अनुसार संगरूर लहरागागा के रहने वाला करण सिंह संगरूर के घाबदां में स्थित मेरिटोरियस स्कूल में बारहवीं कक्षा में कॉमर्स स्ट्रीम से अपने पढ़ाई कर रहा था। सोमवार को देर शाम करण ने स्कूल के परिसर मे बने हॉस्टल में ही फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी मिलने पर हॉस्टल का स्टाफ रूम ने मामले की जानकारी हॉस्टल अधिकारियों की दी गई। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। संगरूर पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला है कि करण के पिता सुरेश पेशे से सब्जी बिक्रेता हैं। सुरेश सिंह ने पुलिस को बताया कि शाम करीब तीन बजे उन्हें करण की स्कूल टीचर का फोन आया था। टीचर ने बताया कि बेटे के पेपर में कम नंबर आए हैं, बेटे का ध्यान रखें। शिक्षक ने कहा था कि करण मन लगाकर पढ़ाई नहीं कर रहा है।

अखिल भारत हिंदू महासभा ने गांधीजी की पुण्यतिथि पर मनाया शौर्य दिवस

मेरठ (हिंस)। अखिल भारत हिंदू महासभा ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर मंगलवार को शौर्य दिवस मनाया। इस दौरान महासभा के कार्यालय पर हवन पूजन, अनुष्ठान किया और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। शारदा रोड स्थित अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यालय पर मंगलवार को हवन पूजा, अनुष्ठान का आयोजन किया गया। महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित अशोक शर्मा के अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। महासभा के जिलाध्यक्ष व प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि गांधीवाद का भारत से जड़मूल से सफाया होने पर ही भारत हिंदू राष्ट्र बन सकता है। भारत की धरती की अनेक महापुरुषों ने राष्ट्र रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति स्वयं अपनी इच्छा से दे दी थी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने गांधीवाद का जड़ से सफाया करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष भरत राजपूत, पंडित अरविंद शर्मा, दीपक शर्मा, शेखर पंडित, सावन कुमार, हनी कुमार, प्रथम दीक्षित, मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

राजभवन, मुख्यमंत्री आवास और ईडी ऑफिस के 100 मीटर की परिधि में धारा 144 लागू

रांची (हिंस)। राजभवन और मुख्यमंत्री आवास और ईडी ऑफिस के 100 मीटर की परिधि में धारा 144 लागू कर दी गयी है। इसको लेकर मंगलवार को सदर एसडीओ ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार इन स्थानों के 100 मीटर की परिधि में दिन के दस बजे से रात के दस बजे तक धारा 144 लागू रहेगा। जारी आदेश में कहा गया है कि इन स्थानों पर संगठनों, दलों द्वारा धरना, प्रदर्शन, जुलूस और रैंक किए जाने की सूचना है। इस प्रकार के कार्यक्रमों से सरकारी काम-काज में व्यवधान उत्पन्न होने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था बाधित होने, विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने और लोक परिशांति भंग होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। दंडाधिकारी और पुलिस बल तैनाती की गई है।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आगाज कल से

जयपुर (हिंस)। राजधानी के जवाहर लाल नेहरू स्थित होटल क्लार्क्स आमेर में 1 से 5 फरवरी तक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। इस साल जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में 500 लेखकों, वक्ताओं और कलाकार शामिल होंगे। इस फेस्टिवल में 16 भारतीय और 8 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं के लेखक, साहित्यकार, कलाकार शामिल हो रहे हैं। भारतीय भाषाओं में असमी, अवधी, बंगाली, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कुरुख, मलयालम, ओडिया, पंजाबी, राजस्थानी, संस्कृत, तमिल, तोड़ा, उर्दू और बंजारा भाषा -लामानी (लम्बादा) शामिल हैं। 2024 संस्करण में आइकोनिक फेस्टिवल 250 मिलियन श्रोताओं तक पहुंचेगा। एयू स्माल फाइनेंस बैंक के फाउंडर एमडी व सीईओ संजय अग्रवाल ने कहा कि संजॉय के रॉय और टीमवर्क आर्ट्स के साथ उनका सहयोग आने वाले इवेंट्स में लक्षित होगा। साथ मिलकर वह एक ऐसा स्थान बनाने के लिए तत्पर हैं, जहां विचार पनपते हैं, आवाजें गूंजती हैं, और राष्ट्र की सांस्कृतिक भावना को वैश्विक प्रासंगिकता मिलती है। सांस्कृतिक विरासत को न केवल संरक्षित करना बल्कि उसे नई ऊंचाइयों तक ले जाना एक गहन और संयुक्त जिम्मेदारी है। टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजॉय के रॉय ने कहा कि जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल दुनिया की श्रेष्ठ प्रतिभाओं को एक मंच पर लेकर आता है, जहां विविध विचारधाराओं, आदर्श, और दृष्टिकोण पर चर्चा होती है। दुनिया के सबसे बड़े साहित्यिक शो की उपाधि से सम्मानित, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल दुनिया को भारत तक और भारत को दुनिया तक ले आता है।

देश की अर्थव्यवस्था 7 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, वित्त मंत्रालय की समीक्षा रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक समीक्षा रिपोर्ट में बताया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष 2024-25 में वृद्धि दर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि घरेलू मांग की मजबूती ने अर्थव्यवस्था को पिछले तीन वर्षों में 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर तक पहुंचा दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था 2022-23 में 7.2 प्रतिशत और 2021-22 में 8.7 प्रतिशत बढ़ी। भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 7.3 प्रतिशत की दर बढ़ने की उम्मीद है, जो सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी हुई है। आर्थिक मामलों के विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू मांग (निजी खपत और निवेश) में देखी गई मजबूती पिछले 10 वर्षों में सरकार द्वारा लागू किए गए सुधारों और उपायों के कारण है। रिपोर्ट में कहा गया है, बुनियादी ढांचे- भौतिक और डिजिटल क्षेत्र में निवेश और विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किए गए उपायों से आपूर्ति पक्ष को भी मजबूत किया गया है। ये देश में आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करने में संयुक्त योगदान दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 25 में, वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7 प्रतिशत के करीब होने की संभावना है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि 2030 तक विकास दर के 7 प्रतिशत से ऊपर पहुंचने की काफी गुंजाइश है। तेजी से बढ़ते डिजिटल बुनियादी ढांचे से संस्थागत दक्षता में लगातार सुधार हो रहा है। माल और सेवाओं के उत्पादन में विदेशी भागीदारों के साथ बढ़ते सहयोग के साथ तकनीकी प्रगति गति पकड़ रही है। मानव पूंजी निर्माण में तेजी लाने के लिए निर्णायक कदम उठाए गए हैं। इज ऑफ डूइंग बिजनेस में निरंतर वृद्धि से समग्र निवेश का माहौल तेजी से अनुकूल होता जा रहा है। अगले तीन साल में 5 ट्रिलियन डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसमें कहा गया है कि भारत अगले छह से सात साल (2030 तक) 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद रख सकता है। 2030 तक 7 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था मंत्रालय को उम्मीद है कि लगातार सुधारों से 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था सात लाख करोड़ डॉलर की हो सकती है। भारत अगले तीन साल में 5 लाख करोड़ डॉलर के साथ तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी वाला देश बन जाएगा। वर्तमान सरकार की 10 साल की यात्रा ठोस व वृद्धिशील दोनों तरह के सुधारों की गवाह रही है, जिससे देश आगे बढ़ा है। वित्त वर्ष 2015 में सरकार का पूंजी निवेश 5.6 लाख करोड़ था, जो अब 18.6 लाख करोड़ हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

हेमंत सोरेन के दिल्ली आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद, ईडी ने जब्त की लग्जरी कार

नई दिल्ली । ईडी ने झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के दौरान झारखंड सीएम हेमंत सोरेन को मौके पर नहीं मिले, लेकिन ईडी की टीम ने भारी मात्रा में बंगले से नकदी बरामद की है। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि हेमंत सोरेन के बंगले से 36 लाख रुपये नकद बरामद किए गए, साथ ही दो लग्जरी कार भी जब्त की गई हैं। दिल्ली स्थित बंगले से ईडी के हाथ लगे कुछ अहम दस्तावेज ईडी ने दक्षिणी दिल्ली स्थित हेमंत सोरेन के बंगले पर छापेमारी की और ईडी की टीम करीब 13 घंटे तक बंगले में मौजूद रही। ईडी की टीम झारखंड में जमीन घोटाले में हुई कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए हेमंत सोरेन के बंगले पर पहुंची थी। ईडी ने बंगले से नकदी के साथ ही एक हरियाणा नंबर की बीएमडब्लू कार और एक अन्य कार के साथ ही कुछ अहम दस्तावेज भी बरामद किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हेमंत सोरेन ने ईडी को बताया है कि वह रांची स्थित आवास पर मिलेंगे। जेएमएम की अहम बैठक झारखंड की सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने सभी विधायकों को रांची नहीं छोड़ने को कहा है। साथ ही जेएमएम ने राज्य के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा के लिए रांची में अहम बैठक भी बुलाई है। वहीं भाजपा ने झारखंड सीएम हेमंत सोरेन को भगोड़ा बता दिया है और सीएम के बारे में जानकारी देने वाले को 11 हजार रुपये इनाम देने का भी एलान कर दिया है। भाजपा ने सीएम राज्य की इज्जत मिट्टी में मिलाने का भी आरोप लगाया।

सोना और चांदी लगातार महंगा

मुम्बई । इस सप्ताह लगातार दूसरे दिन कारोबारी दिन सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 62,400 रुपये और चांदी के 72,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में भी तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 56 रुपये की तेजी के साथ 62,423 रुपये के भाव पर खुला जो 82 रुपये की तेजी के साथ 62,449 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 172 रुपये की तेजी के साथ 72,549 रुपये के भाव पर खुला जो 40 रुपये की तेजी के साथ 72,417 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं वैश्विक बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,032.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,025.40 डॉलर था जो 5.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,030.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.32 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 23.25 डॉलर था जो 0.03 डॉलर की तेजी के साथ 23.28 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

डाणी टोटल गैस के तीसरी तिमाही के नतीजे घोषितः नेट प्रॉफिट 18 प्रतिशत बढ़कर 177 करोड़ रहा, रेवेन्यू 4.89 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी टोटल गैस लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 18 प्रतिशत बढ़कर 177 करोड़ रुपए रहा। रेवेन्यू 4.89 प्रतिशत बढ़कर 1,244 करोड़ रहा कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 150 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू 4.89 प्रतिशत बढ़कर 1,244 करोड़ रुपए हो गया। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 1,186 करोड़ रुपए रहा था। 26 प्रतिशत बढ़कर 300 करोड़ रुपए रहा अडाणी टोटल गैस का ऑपरेटिंग प्रॉफिट दिसंबर तिमाही में सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 300 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में यह 238 करोड़ रुपए रहा था।

अंतरिम बजट एक फरवरी को, वित्त मंत्री के इन फैसलों पर रहेगी बाजार की नजर

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी 2024 को संसद में अंतरिम बजट 2022 पेश करेंगी। इस अंतरिम बजट में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बाजार में विकास को बढ़ावा देने वाले कई पहलुओं पर दांव लगा सकती हैं। निवेशकों और बाजार पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि अंतरिम बजट में वित्तमंत्री की ओर से होने वाली घोषणाओं से आगामी वित्त वर्ष के लिए सरकार की प्राथमिकताओं के बारे में बहुत हद तक जानकारी मिलेगी। हालांकि बाजार के जानकारों का मानना है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपने छठे बाजट में कोई बड़ी घोषणा नहीं करेंगी, क्योंकि यह अंतरिम बजट है।

अंतरिम बजट होने के कारण किसी बड़े फैसले की उम्मीद कम

वित्त मंत्री पहले ही कह चुकी हैं कि इस बार के अंतरिम बजट में किसी बड़े फैसले की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। सच्चाई यह है कि 1 फरवरी, 2024 को जो बजट पेश होगा वह सिर्फ एक वोट ऑन अकाउंट होगा, क्योंकि इस साल आम चुनाव होने हैं। इसलिए सरकार जो बजट पेश करेगी वह सिर्फ नई सरकार के आने तक सरकार के खर्च को पूरा करने के लिए होगा। अप्रैल-मई के आम चुनावों के बाद चुनी गई नई सरकार की ओर से जुलाई में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश किया जाएगा।

1. पूंजीगत व्यय – आर्थिक वृद्धि को गति देने के लिये सरकार आगामी बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाकर बुनियादी ढांचा क्षेत्र के विकास की गति बनाये रख सकती है। सरकार राजकोषीय सशक्तीकरण के मार्ग से हटे बिना मनरेगा, ग्रामीण सड़क, पीएम किसान सम्मान निधि और पीएम विश्वकर्मा योजना जैसी सामाजिक योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित कर सकती है। आईसीआरए ने अपनी बजट पूर्व अपेक्षाओं में कहा, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 25 में कैपेक्स के लिए 10.2 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान होगा। इसका मतलब है कि सालाना आधार पर इसमें 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कोरोना के बाद के वर्षों में इसमें 20 प्रतिशत से का विस्तार दिखा था। पूंजीगत व्यय वृद्धि में नरमी का आर्थिक गतिविधियों और जीडीपी वृद्धि पर असर पड़ सकता है।

2. रोजगार सृजन – ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन करने के लिए, सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के बुनियादी ढांचे

में निवेश बढ़ाने से जुड़ी घोषणाएं कर सकती है। रसायन और सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों में उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं का दायरा बढ़ाया जा सकता है। डेलॉय के अनुसार, इसका एक तरीका ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण पर अधिक खर्च करना औ नकदी प्रवाह में सुधार के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना हो सकता है। रसायन और सेवाओं से जुड़े क्षेत्रों के लिए पीएलआई योजनाओं के दायरे को व्यापक बनाने से विनिर्माण क्षेत्र में अधिक मांग पैदा हो सकती है।

3. राजकोषीय घाटा – चुनावी दबाव के बावजूद निर्मला सीतारमण बजट में राजकोषीय घाटे को और कम कर भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.3 प्रतिशत पर लाने का विकल्प चुन सकती हैं। बोफा सिक्योरिटीज के अनुसार, हमें लगता है कि चुनावी दबाव के बावजूद केंद्र का राजकोषीय घाटा जीडीपी के 5.3 प्रतिशत पर पहुंचकर और मजबूत हो जाएगा। नोट के अनुसार सरकार राजकोषीय घाटे को घटाकर 5.9 प्रतिशत पर लाने की वित्त वर्ष 2024 की प्रतिबद्धता को पूरा करेगी।

4. सामाजिक सुरक्षा योजनाएं – केंद्र सरकार आगामी अंतरिम बजट में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए अधिक धन आवंटित कर सकती है क्योंकि कर में वृद्धि से उसे पर्याप्त धन मिल सकता है। पीटीआई की एक रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष में आयकर और कॉरपोरेट करों से संग्रह में उछाल दिख रहा है और कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह बजट अनुमान से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये अधिक होने की संभावना है।

5. कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर – कृषि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के प्रयास में, वित्त मंत्री अंतरिम बजट में कुछ उपायों की घोषणा कर सकती हैं ताकि उपभोग को बढ़ावा दिया जा सके। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अग्रिम अनुमानों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 2022-23 में 4 प्रतिशत से घटकर 1.8 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

6. बैंकिंग और इश्योरेंस सेक्टर – आने वाला अंतरिम बजट बजट भारत के बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र की नजर बनी रहेगी। यह क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भविष्य में संभावित विकास की भी उम्मीद कर रहा है। इस बार के बजट में किए गए एलान इस क्षेत्र के विकास को गति दे सकते हैं। यह क्षेत्र प्रमुख रूप से नई प्रौद्योगिकियों का एकीकरण, अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करना, डिजिटल कौशल बढ़ाना, नौकरी के अवसर पैदा करना और उद्योग के अनुरूप अंतर्दृष्टि विकसित करने जैसे लक्ष्य हासिल करना चाहता है। आगामी बजट में इस पर प्रकाश डाले जाने की उम्मीद है। बीओबी फाइनेंशियल के एमडी और सीईओ शैलेंद्र सिंह के अनुसार भारत में क्रेडिट कार्ड के उपयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है, खासकर ट्रेवल फाइनेंसिंग की मांग में पांच गुना वृद्धि हुई है। इसे देखते हुए सरकार को आगामी वित्त वर्ष 2025 के बजट में मौजूदा 20 प्रतिशत कर संग्रह (टीसीएस) से 7 लाख रुपये तक के अंतरराष्ट्रीय खर्च को छूट देने पर विचार करना चाहिए। इस प्रस्तावित उपाय का उद्देश्य सीमा पार वाणिज्य को बढ़ावा देना, उपभोक्ताओं के लिए लेन-देन संबंधी जटिलताओं को कम करना और पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्रों को प्रोत्साहित करना है। वैश्विक लेनदेन के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देकर, हमारा लक्ष्य न केवल कार्डधारक के अनुभव को बढ़ाना है, बल्कि समग्र आर्थिक विकास में भी योगदान करना है।

7. क्रिप्टोकरेंसी – भारत सरकार और केंद्रीय बैंक आरबीआई क्रिप्टोकरेंसी के मसले पर फूंक-फूंक कर करम आगे बढ़ा रहा है। देश में क्रिप्टोकरेंसी को अब तक वैध दर्जा प्राप्त नहीं हैं। बड़े पैमाने पर लोग इसकी खरीद बिक्री कर रहे हैं, पर सच्चाई यह है कि इसके नियमन के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के कारण बीते कुछ समय में क्रिप्टो बाजार भारतीय निवेशकों के लिए आकर्षक नहीं रहा है।

पैरोल पर बाहर व्यक्ति से अपराध की उम्मीद नहीं की जाती, जमानत याचिका पर कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली ।

मुंबई की एक विशेष अदालत ने एंटीलिया बम कांड और कारोबारी मनसुख हिरन हत्या मामले में आरोपी पूर्व पुलिसकर्मी विनायक शिंदे के खिलाफ आरोप सही माने हैं और कहा है कि पैरोल पर रहे व्यक्ति से आपराधिक गतिविधि में शामिल होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। रामनारायण गुप्ता उर्फ लखन भैया फर्जी मुठभेड़ मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे शिंदे फरवरी 2021 में एंटीलिया बम कांड के समय पैरोल पर बाहर थे। विशेष एनआईए न्यायाधीश एएम पाटिल ने 20 जनवरी को एंटीलिया बम मामले में शिंदे को जमानत देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा कि शिंदे के खिलाफ आरोप है कि उन्होंने पूर्व पुलिसकर्मी सचिन वाजे को जबरन वसूली के पैसे इकट्ठा करने और डमी सिम कार्ड हासिल करने में मदद की। अदालत ने कहा, शिंदे का कृत्य मामले की जड़ों तक जाता है। अदालत ने कहा, इस समय, इसे अलग नहीं किया जा सकता है और इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता कि शिंदे भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश में शामिल पक्ष) के तहत अपराध के दोषी नहीं हैं। अदालत ने कहा, आवेदक (शिंदे) द्वारा किए गए कृत्य की गंभीरता तब गंभीर हो जाती है जब उसने पैरोल पर रहने के बावजूद उसने ऐसा किया। यह उम्मीद नहीं की जाती है कि पैरोल पर रहा व्यक्ति आपराधिक गतिविधि में संलग्न हो। दूसरी ओर, यह उम्मीद की जाती है कि वह गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल नहीं होगा और इसलिए, वर्तमान आवेदक को अन्य आरोपियों की तरह रियायत नहीं दी जा सकती। मामले के तथ्यों और परिस्थितियों का जिक्र करते हुए अदालत ने कहा कि आवेदक के खिलाफ लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया सही हैं और उनकी भूमिका को देखते हुए शिंदे जमानत पर रिहा होने के हकदार नहीं हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आरोप लगाया है कि शिंदे ने स्वेच्छा से वझे के कहने पर विस्फोटक से लदे वाहन को धमकी भरे नोट के साथ उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास के सामने खड़ा करने और बाद में वाहन मालिक हिरेन की हत्या करने की साजिश रची। शिंदे की जमानत मांगने की यह दूसरी कोशिश थी।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद, सेंसेक्स में 1200 अंकों से अधिक की बढ़त, 21,700 के ऊपर निकला निफ्टी

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से आई है। निजी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंकिंग शेयरों में मजबूती से भी बाजार ऊपर आया है। निवेशकों की नजर 31 जनवरी को अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल के ब्याज दरों को लेकर निर्णय और 1 फरवरी को अंतरिम बजट पर टिकी हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1240.90 अंक करीब 1.76 फीसदी की जबरदस्त तेजी के साथ ही 71,941.57 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 392.15 अंक तकरीबन 1.84 फीसदी बढ़कर 21,744.75 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। इसके अलावा कोटक बैंक, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन, सन फार्मा, लार्सन एंड टुब्रो और स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर भी ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर जेएसडब्ल्यू स्टील, इंफोसिस,

आईटीसी (आईटीसी) और टीसीएस (टीसीएस) के शेयरों में गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बाजार में लगभग 7 फीसदी ऊपर आये। इंट्राडे सेशन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी के शेयरों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। रिलायंस के अलावा एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और एनटीपीसी समेत अन्य शेयरों में लिवाली से भी बाजार को बल मिला। 1 फरवरी को आने वाले अंतरिम बजट को लेकर भी निवेशकों में उत्साह है जिससे भी बाजार का माहौल सकारात्मक रहा। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी रही। सुबह हैंग सेंग 1.5 फीसदी से ज्यादा उछला जबकि कोस्पी में 1 फीसदी की बढ़त रही। निक्केई में 0.8 फीसदी का उछाल रहा।

टोयोटा दुनिया की टॉप-सेलिंग कार मेकर कंपनी: 2023 में 1.12 करोड़ कार बेचीं, फॉक्सवैगन को लगातार चौथी बार पीछे छोड़ा

नई दिल्ली ।

टोयोटा मोटर कॉर्प 2023 की दुनिया की टॉप-सेलिंग कार मेकर कंपनी रही। इस दौरान कंपनी ने दुनियाभर में 11.2 मिलियन (1.12 करोड़) गाड़िया बेचीं। टोयोटा ने लगातार चौथे साल जर्मन कार कंपनी फॉक्सवैगन को पीछे छोड़ा है। बिक्री के मामले में दूसरे नंबर पर रही फॉक्सवैगन ने 12 प्रतिशत की सालाना (ईयर-ऑन-ईयर) ग्रोथ के साथ 92.4 लाख कारें बेचीं।

कंपनी के उत्पादन में भी हुआ इजाफा – रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी की इस बिक्री में उसकी सहायक कंपनियां दाइहात्सू और हिनो की भी हिस्सेदारी रही है। टोयोटा की गाड़ियों की बिक्री में 2022 की तुलना में 7.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसके साथ ही टोयोटा का प्रोडक्शन 2022 की तुलना में 2023 में 8.6 प्रतिशत बढ़कर 1.15 करोड़ हो गया। सप्लाई चेन में सुधार के साथ नॉर्थ अमेरिका और यूरोप जैसे बाजारों में स्थिर मांग ने टोयोटा की बिक्री बढ़ाने मदद की है।

हाइब्रिड मॉडल्स के कारण बढ़ी बिक्री – यह बिक्री प्रदर्शन ऐसे समय में आया है, जब ग्लोबल मार्केट में इलेक्ट्रिक कारों की मांग बढ़ रही है। दुनिया की सबसे ज्यादा कार बेचने वाली टोयोटा इलेक्ट्रिक व्हीकल की बिक्री के मामले में बहुत पीछे है। उसने पिछले साल 1.04 लाख श्रृङ्ख ही बेची हैं। टोयोटा की बिक्री में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी हाइब्रिड मॉडल्स के कारण रही है। इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कार बिक्री में 30.2 लाख के

आंकड़े के साथ बीवायडी सबसे आगे है। इसके बाद टेस्ला का नंबर है, जिसने 2023 में 18.1 लाख ईवीएस बेचे हैं। इंडियन मार्केट की बात करें तो टोयोटा ने 2023 में टोटल 2,31,469 गाड़ियों की बिक्री की है। वहीं, कंपनी ने दिसंबर-2023 में 21,372 कारें बेचीं। कंपनी को सालाना आधार पर फायदा हुआ है।

महिला कर्मचारियों को पारिवारिक पेंशन के लिए बेटे, बेटी को नामांकित करने की अनुमति, केंद्र ने दी राहत

नई दिल्ली ।

केंद्र ने महिला कर्मचारियों को अपने पति के बजाय पारिवारिक पेंशन के लिए अपने बेटे या बेटी को नामित करने की अनुमति दी है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि पहले मृत सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी के पति या पत्नी को ही पारिवारिक पेंशन दी जाती थी, जबकि परिवार के अन्य सदस्य पति या पत्नी की अयोग्यता या मृत्यु के बाद ही पेंशन के पात्र होते थे।

केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 में किया गया संशोधन

केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग

(डीओपीपीडब्ल्यू) ने केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 में एक संशोधन पेश किया है। इसके अनुसार महिला सरकारी कर्मचारियों या पेंशनभोगियों को अपने पति या पत्नी के स्थान पर अपने स्वयं के निधन के बाद अपने पात्र बच्चे/बच्चों को पारिवारिक पेंशन देने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि संशोधन उन स्थितियों को संबोधित करेगा जहां वैवाहिक कलह के बाद घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम या भारतीय दंड संहिता जैसे कानूनों के तहत तलाक की कार्यवाही चल रही है।

उन्होंने कहा कि दूरगामी सामाजिक-आर्थिक प्रभाव वाले एक पथ-प्रदर्शक निर्णय में और महिलाओं को समान अधिकार प्रदान करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीति को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने लंबे समय से स्थापित नियम में संशोधन किया है, जिससे महिला कर्मचारी को अपने पति के बजाय पारिवारिक पेंशन के लिए अपने बेटे या बेटी को नामित करने का अधिकार दिया गया है, जैसा कि अब तक प्रथा रही है। कार्मिक मंत्रालय की ओर से बयान जारी कर यह जानकारी दी गई है। सिंह ने कहा कि यह संशोधन प्रधानमंत्री मोदी की हर क्षेत्र में महिला पदाधिकारियों को उचित और वैध अधिकार देने की नीति के अनुरूप है।

लिखित अनुरोध देने के बाद महिला कर्मचारियों को मिलेगी सुविधा

कार्मिक एवं कार्य विभाग ने कहा है कि महिला सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी को संबंधित कार्यालय प्रमुख को लिखित अनुरोध करना होगा जिसमें यह जानकारी होगी कि कार्यवाही के दौरान उसकी मृत्यु होने की स्थिति में उसके पात्र बच्चे/बच्चों को पारिवारिक पेंशन दी जानी चाहिए। बयान में कहा गया है, अगर कार्यवाही के दौरान महिला सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी की मृत्यु हो जाती है, तो उसी के अनुसार पारिवारिक पेंशन का वितरण किया जाएगा।

इसमें कहा गया है कि यदि किसी महिला कर्मचारी के परिवार में कोई ऐसा विधुर है और उसका कोई पात्र बच्चा नहीं है तो विधुर को पारिवारिक पेंशन देय होगी। हालांकि, यदि विधुर नाबालिग बच्चे या मानसिक विकार से पीड़ित बच्चे का अभिभावक है, तो पारिवारिक पेंशन विधुर को देय होगी, जब तक कि वह अभिभावक बना रहता है, बयान में कहा गया है कि एक बार जब बच्चा वयस्क हो जाता है और पारिवारिक पेंशन के लिए पात्र हो जाता है, तो यह सीधे बच्चे को देय होगा। ऐसे मामलों में जहां मृतक महिला सरकारी कर्मचारी या पेंशनभोगी के परिवार में विधुर है और बच्चे जो बालिग हो चुके हैं, और पारिवारिक पेंशन के लिए पात्र हैं, ऐसे बच्चों को पारिवारिक पेंशन देय होगी।

सिंह ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री की ओर से शासन में कई सुधार किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने केंद्र सरकार की नौकरियों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और उन्हें पेशेवर के साथ-साथ पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन प्रदान करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं।

चेस मास्टर दिव्या का दर्शकों पर गंभीर आरोप, महिला खिलाड़ियों के साथ हो रहे भेदभाव पर दिया बयान

नई दिल्ली।

भारतीय शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने आरोप लगाया है कि उन्हें नीदरलैंड के विज्क आन जी में हाल में संपन्न टाटा स्टील मास्टर्स टूर्नामेंट में दर्शकों के गलत व्यवहार का सामना करना पड़ा। दिव्या ने कहा कि दर्शकों ने टूर्नामेंट के दौरान उनके बालों, कपड़ों और लहजे जैसी अप्रासंगिक चीजों पर ध्यान केंद्रित किया। नागपुर की 18 वर्षीय अंतरराष्ट्रीय चेस मास्टर, जिन्होंने पिछले साल एशियाई महिला शतरंज चैंपियनशिप जीती थी, ने एक लंबी सोशल मीडिया पोस्ट साझा की, जिसमें उन्होंने बताया है कि महिला खिलाड़ियों को नियमित रूप से स्त्री द्वेष का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने नोट में लिखा, मैं पिछले कुछ समय से इस पर ध्यान दिलवाना चाहती थी, लेकिन टूर्नामेंट खत्म होने का इंतजार कर रही थी। मैंने देखा है कि कैसे शतरंज में महिलाओं को अक्सर दर्शकों द्वारा हल्के में लिया जाता है। इसका सबसे हालिया उदाहरण टाटा स्टील मास्टर्स टूर्नामेंट है। मैंने कुछ मैच खेले जो मुझे लगा कि काफी अच्छे थे और मुझे उन पर गर्व है।

दिव्या ने लिखा, मुझे लोगों ने बताया कि कैसे दर्शकों को खेल से कोई फर्क नहीं पड़ता, बल्कि वे खेल के अलावा दुनिया की हर एक चीज पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। जैसे मेरे कपड़े, बाल, लहजा और हर दूसरी अप्रासंगिक चीज। दिव्या टाटा स्टील मास्टर्स में चैलेंजर्स वर्ग में 4.5 के स्कोर के साथ 12वें स्थान पर रहीं। उन्होंने कहा कि पुरुष खिलाड़ियों को उनके खेल के लिए स्पॉटलाइट मिल रहा था, जबकि महिलाओं को उन पहलुओं के लिए आंका गया था जिनका शतरंज बोर्ड पर उनकी क्षमता से कोई लेना-देना नहीं था।

उन्होंने कहा, मैं यह सुनकर काफी परेशान थी और मुझे लगता है कि यह दुखद सच्चाई है कि जब महिलाएं शतरंज खेलती हैं तो वे अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर देती हैं कि वे वास्तव में कितनी अच्छी हैं। वे जो खेल खेलती हैं वह उनकी ताकत है। मैं यह देखकर काफी निराश हुई कि मेरे (दर्शकों द्वारा) मेरे खेल को छोड़कर बाकी सब कुछ पर ध्यान दिया गया। बहुत कम लोगों ने इस पर ध्यान दिया कि मैं क्या और कैसे खेलती हूं और यह काफी दुख की बात है।

न्यूज ब्रीफ

मनदीप जांगड़ा ने अमेरिका में जीता सुपर फेदरवेट खिताब, इस खिलाड़ी को दी शिकस्त

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने वाशिंगटन के टॉप्पेनिश सिटी में गेरार्डो एसक्विवेल को हराकर अमेरिका स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' का 'इंटरकांन्टिनेंटल सुपर फेदरवेट' खिताब जीता। अपने पेशेवर करियर में अब तक अपराजित रहने वाले 30 साल के जांगड़ा ओलंपिक के पूर्व रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं। मनदीप को अमेरिका के मुक्केबाज के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने पिछले 75 किलोग्राम भारवर्ग को छोड़ कर कम भारवर्ग में उतरना पड़ा। उन्होंने यहां जारी बयान में कहा, यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जिसने इस पूरी यात्रा में मेरा साथ दिया। इसमें मेरे कोच, परिवार, प्रशंसक और मेरे साथ खड़े रहने वाले शामिल हैं। मैं यह खिताब अपने देश को समर्पित करता हूं। मैं देश के लिए भविष्य में भी इसी तरह का सम्मान और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा। जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया था। एसक्विवेल को हराने से पहले जांगड़ा ने अपने छह मुकाबलों में से चार में नॉकआउट जीत दर्ज की है। जांगड़ा ने एमेच्योर सर्किट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था। फ्लोरिडा स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' पेशेवर मुकाबलों के लिए मान्यता प्राप्त संस्था है।

घरेलू क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले सरफराज अब अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में उतरेंगे

मुम्बई। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय टीम की हार के साथ ही दो खिलाड़ी भी चोटिल हो गये। ऐसे में दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में बदलाव करते हुए घरेलू क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाज सरफराज खान को शामिल किया गया है। भारतीय टीम पहले टेस्ट में हार के कारण सीरीज में 1-0 से पीछे है। भारतीय टीम में पहला टेस्ट हारने के बाद बड़े बदलाव किए गए हैं पर ये ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और केएल राहुल के चोटिल होने की वजह से करने पड़े हैं। जडेजा और राहुल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ऐसे में उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने वाशिंगटन सुंदर और सरफराज खान के नाम की घोषणा की है। वहीं आवेश खान को पिछले दिनों बाहर कर दिया गया था। इसलिए उनके स्थान पर सौरव कुमार को टीम में जगह दी गई है। सरफराज का घरेलू क्रिकेट में शानदार रिकार्ड रहा है। उन्होंने इसमें जमकर रन बनाये हैं। ऐसे में चयनकर्ताओं ने उन्हें दूसरे टेस्ट मैच के लिए अवसर दिया है। इससे पहले इंग्लैंड लॉयन्स के खिलाफ खेली जा रही अनाधिकृत टेस्ट सीरीज में सरफराज ने 161 रन की शानदार पारी खेली थी। गौरतलब है कि 2020 रणजी ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ मुंबई की तरफ से खेलते हुए सरफराज ने 301 रन बनाये थे।

हैरी ब्रूक को मध्यक्रम में खेलते देखना चाहते हैं मोर्गन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि वह हैरी ब्रूक को आईपीएल 2024 के दौरान मध्य क्रम में खेलते हुए देखना चाहते हैं। मोर्गन के अनुसार हैरी एक शानदार खिलाड़ी हैं। वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। उन्हें टीम ने मोटी रकम देकर खरीदा है। मोर्गन के अनुसार उनके जैसे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के लिए 4 करोड़ रुपए एक अच्छा सौदा है। मोर्गन ने कहा कि मेरे लिए ब्रूक एक मध्यक्रम बल्लेबाज है। मैं शायद ब्रूक को मध्य क्रम में खेलते हुए देखता हूं। मुझे लगता है कि दिल्ली भारत में अन्य स्थानों की तरह उसके लिए उपयुक्त टीम नहीं होगी, लेकिन उसके जैसे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी के लिए 4 करोड़ यह एक सौदा है। ब्रूक को दिल्ली स्थित फ्रेंचाइजी ने 4 करोड़ रुपए में खरीदा जबकि उनकी पिछली कीमत 13.25 करोड़ रुपए थी। दाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने 27 टी20 में इंग्लैंड की ओर से 27.94 की औसत से 531 रन बनाए हैं। पिछले आईपीएल सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद द्वारा 13.25 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और उन्होंने 11 मैचों में 21.11 की औसत से एक शतक के साथ सिर्फ 190 रन बनाए थे। इसी कारण उनपर फ्रैंचाइजियों ने बड़ी रकम नहीं लगायी।

टेस्ट में खल रही कप्तान विराट की कमी

12 साल बाद घर में लगातार 3 टेस्ट बिना जीते गुजरे ; 10 महीने में दूसरी हार

नई दिल्ली।

कप्तान रोहित शर्मा के कार्यकाल में एक ऐसा वाकया हो गया है जो पिछले 12 साल से नहीं हुआ था। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला हार गई है। यह घरेलू जमीन पर लगातार तीसरा ऐसा टेस्ट मैच है जिसमें भारतीय टीम को जीत नसीब नहीं हुई है। ऐसा आखिरी बार 2012 में हुआ था। क्या घरेलू परिस्थितियों में भारत के प्रभुत्व का लंबा दौर समाप्त हो रहा है घरेलू टेस्ट मैचों में रोहित की कप्तानी विराट कोहली की तुलना में कमजोर साबित हो रही है चलिए आगे जानते हैं।

44 टेस्ट मैच बाद आया ऐसा दौर – घरेलू जमीन पर करीब 12 साल और 44 टेस्ट मैच बाद ऐसा दौर आया है जब भारतीय टीम लगातार तीन टेस्ट मैचों में से एक भी नहीं जीत सकी। पिछला मौका 2012 में आया था। तब भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ ही दो टेस्ट मैचों में हार मिली थी और एक मुकाबला ड्रॉ रहा था। इस बार के तीन ऐसे टेस्ट मैचों में से दो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रहे थे। इंदौर टेस्ट में भारत हारा था, जबकि अहमदाबाद टेस्ट ड्रॉ रहा था। अब हैदराबाद में इंग्लैंड ने हमें हरा दिया है।

विराट कोहली की कप्तानी में घर में कभी नहीं हुआ ऐसा – विराट कोहली ने 2015 में टेस्ट टीम की कप्तानी संभाली। 5 नवंबर 2015 को उन्होंने भारतीय जमीन पर पहली बार टेस्ट में टीम की कप्तानी की। उनके कार्यकाल में भारत ने 31 टेस्ट मैच अपनी जमीन पर खेले। इन 31 मैचों में कभी ऐसा नहीं हुआ, जब भारत को लगातार तीन मुकाबलों में जीत न मिली हो। विराट की अगुआई में भारत का भारत में जीत हासिल न कर पाने का सबसे लंबा दौर 2 टेस्ट मैचों का रहा। मार्च 2017 में एक टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ और इसके ठीक बाद एक टेस्ट श्रीलंका के खिलाफ ड्रॉ रहा था। गौर करने लायक बात यह है कि उन मुकाबलों में भी भारत हारा नहीं था।

विराट की कप्तानी में घर में 6 साल में दो टेस्ट हारे – विराट कोहली ने 2015 से 2021 तक छह साल घरेलू मैदानों पर कप्तानी की। इस दौरान भारत ने घर में

31 टेस्ट मैच खेले। 24 में टीम को जीत मिली और सिर्फ 2 में हार का सामना करना पड़ा। 5 टेस्ट ड्रॉ रहे। विराट की कप्तानी में घर में इन 2 हार के बीच 4 साल का फासला था। दूसरी ओर रोहित ने 2022 से टेस्ट में भारतीय जमीन पर भारतीय टीम की कमान संभाली है। उन्होंने यहां 7 टेस्ट में टीम की कमान संभाली। 4 में भारत को जीत मिली है। 2 में हार झेलनी पड़ी और 1 मैच ड्रॉ रहा है। रोहित की कप्तानी में भारत को घर में दो हार 10 महीने के अंदर मिली है। ऊपर के तमाम फैक्ट से गुजरने के बाद यह तो साफ हो जाता है कि घरेलू जमीन पर रोहित की कप्तानी विराट जितनी सफल नहीं हो पा रही है।

ट्रांजिशन फेज से गुजर रही भारतीय टीम – टीम इंडिया में फिलहाल युवा खिलाड़ियों के जगह बनाने का दौर चल रहा है। यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज और श्रेयस अय्यर जैसे युवाओं ने चेतेश्वर पुजारा, ईशांत शर्मा और अजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी प्लेयर्स को रिप्लेस कर दिया है। कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि टीम मैनेजमेंट अब युवाओं पर भरोसा दिखाकर भविष्य के बारे में सोच रहा है। इसी को ट्रांजिशन फेज कहते हैं। यानी खिलाड़ियों के एक सेट का विदा होना और नए सेट का फील्ड पर उतरना। ट्रांजिशन फेज में होने के कारण टीम में एकजुटता की कमी नजर आई और युवा खिलाड़ियों की अनुभवहीनता से भारत को 10 महीने में 2 हार का सामना करना पड़ गया। टीम इंडिया का आखिरी ट्रांजिशन फेज 2011 वर्ल्ड कप के बाद आया था। तब कोहली, रहाणे और पुजारा ने राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और सचिन तेंदुलकर को रिप्लेस किया था। रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा ने भी तब ही हरभजन सिंह और प्रज्ञान ओझा की जगह ली थी। 2012 के ट्रांजिशन फेज का असर ये हुआ कि टीम इंडिया ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में 4-0 से 2 टेस्ट सीरीज गंवाईं। यहां तक कि भारत में भी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से सीरीज हार का सामना करना पड़ गया। कोहली की कप्तानी में भी केएल राहुल, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे प्लेयर्स टीम में आए, लेकिन इस दौरान विराट, पुजारा, रहाणे, अश्विन और जडेजा ने अपने अनुभव से टीम को बिखरने नहीं दिया।

फील्ड प्लेसमेंट और बॉलिंग में आक्रामकता की कमी – विराट ने 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहली बार टेस्ट कप्तानी की। उन्होंने 2 ही मैचों में कमान संभाली, एक में टीम को 48 रन से हार मिली और दूसरा मुकाबला ड्रॉ रहा। विराट ने इनमें 3 सेंचुरी लगाई और अपनी फील्ड प्लेसमेंट और एग्रेसिव कप्तानी से टीम को दोनों ही बार जीत के करीब पहुंचाया। वह आगे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीत कर ही माने। रोहित की कप्तानी में शुरुआत से ही अटैकिंग फील्ड और इंटेंट की कमी नजर आई। जब टीम इंडिया हावी रहती तो रोहित का फील्ड प्लेसमेंट सही चल रहा होता है लेकिन दबाव आते ही वह बिखरे-बिखरे नजर आते। इंग्लैंड के खिलाफ भी पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने आखिर तक डिफेंसिव फील्ड लगाई। जहां इंग्लिश प्लेयर्स ने बहुत आसानी से सिंगल चुराए, स्वीप से रन बनाए और लगातार स्ट्राइक रोटेट की। वैसे तो धोनी टीम इंडिया के बेस्ट कप्तान कहे जाते हैं लेकिन टेस्ट में वह भी कोहली के आसपास नहीं। विराट ने बतौर कप्तान भारत में 11 सीरीज खेलीं और सभी जिताईं। टीम ने साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश को 2-2 सीरीज हराईं। जबकि ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ एक-एक बार सीरीज जीतीं।

आईसीसी ने ऑली का रास्ता रोकने के लिए बुमराह को लगायी फटकार

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आईसीसी आचारसंहिता उल्लंघन के लिए कड़ी फटकार लगायी है। बुमराह ने हैदराबाद में हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड के बल्लेबाज ऑली पोप का रास्ता रोकने का प्रयास किया था और इस दौरान वह उनसे टकरा गये थे। ओली ने इस मामले की शिकायत आईसीसी से की थी और क्रिकेट की इस शीर्ष संस्था ने भी बुमराह को दोषी पाया था। जब से वाकया हुआ तब ओली 156 रनों पर खेल रहे थे। आईसीसी ने इसके लिए इस तेज गेंदबाज को दोषी मानते हुए आचारसंहिता का उल्लंघन करने के लिए उन्हें कड़ी फटकार लगाई है। ओली की पारी से मेहमान टीम ने भारत के खिलाफ दूसरी पारी में बड़ा स्कोर बनाकर जीत दर्ज की थी। इस बल्लेबाज ने 196 रन की साहसिक पारी खेली थी। इससे इंग्लैंड ने मुकाबले में 28 रन से जीत दर्ज की थी। ओली ने इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान 81वें ओवर में बुमराह की गेंद पर चौका मारा। बुमराह ने अगली गेंद पर ओली को निशाना बनाया और गेंद उनके पैड से टकराई, जिस पर बल्लेबाज ने एक रन लेगबाई से लिया। इस दौरान जब ओली से रन दौड़ रहे थे तभी बुमराह के ऊपर जानबूझकर सामने आने के आरोप लगे। बुमराह ने इसके बाद हाथ उठाकर इस बल्लेबाज से माफी मांग ली पर ऑल इतने भर से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने इसकी शिकायत अंपायर से की और ये मामला मैच रेफरी तक जा पहुंचा। मैच रेफरी रिची रिचर्डसन के अनुसार यह 24 महीने में इस गेंदबाज के खिलाफ पहला मामला था। इसलिए सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। रेफरी ने बुमराह को इस मामले में आचार संहिता उल्लंघन के लिए एक डिमैरिट अंक भी दिया। गौरतलब है कि डिमैरिट अंक किसी खिलाड़ी के नाम 24 महीने तक रहते हैं। इस दौरान अगर जितने भी डिमैरिट अंक मिलते हैं, वे जुड़ते रहते हैं। अगर 24 महीने के भीतर किसी खिलाड़ी के नाम 4 डिमैरिट अंक हो जाएं तो उसे एक टेस्ट या दो सीमित ओवरों से या टी20 से बाहर कर दिया जाता है।

अपनी आदर्श चानू से मुकाबला करना चाहती है उभरती भारोत्तोलक पंचमी सोनोवाल

नई दिल्ली।

युवा भारोत्तोलक पंचमी सोनोवाल का लक्ष्य शीर्ष भारोत्तोलक मीराबाई चानू से मुकाबला करना है। पंचमी मीराबाई का अपना आदर्श मानती है और उनसे मुकाबला करना चाहती है। उसे ये अवसर मिलने की उम्मीद इसलिए भी है क्योंकि पंचमी भी उसी वजन वर्ग में है जिसमें चानू हैं। चानू 49 किलोग्राम भार वर्ग में खेलती हैं। पंचमी ने भी हाल ही में चेन्नई में जारी खेलो इंडिया गेम्स 2023 में महिलाओं की 49 किलोग्राम भारोत्तोलन प्रतियोगिता में रजत पदक जीता था। पंचमी ने इस स्पर्धा में कुल 167 किग्रा वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया था। पंचमी इस दौरान चोटिल भी हो गयी थीं हालांकि अब वह उससे उबर गयी हैं। पंचमी को उम्मीद है कि खेलो इंडिया में बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए ही उन्हें मीराबाई से मुकाबले का अवसर मिलेगा।

पंचमी ने कहा, 'मैं दोनों श्रेणियों में ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाना चाहती थी पर अंत में मेरा दिन नहीं था। मैं पदक समारोह में शामिल नहीं हो पायी। एक और पदक पाकर खुश हूं। वजन उठाने के दौरान गिरना दर्दनाक था। इस कारण मैं मुश्किल से चल पा रही थी। एक्स-रे से पुष्टि हुई कि कोई फ्रैक्चर नहीं है हालांकि अभी भी थोड़ा दर्द है, लेकिन उम्मीद है कि मैं कुछ दिनों में ठीक हो जाऊंगी।

पंचमी ने कहा, 'मेरे माता-पिता को मेरी प्रतियोगिताओं के बारे में पता नहीं है। उनके लिए, अगर मैं पदक जीतती हूं, तो यह एक उपलब्धि है, और अगर मैं असफल भी होती हूं, तो भी वे मेरा समर्थन करते रहेंगे। उनका खेल से कोई खास वास्ता नहीं है पर उन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया है। पंचमी अपनी आदर्श और ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू के खिलाफ मुकाबला करने की संभावना से उत्साहित है. जो उसी वजन वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती है। पंचमी के लिए सीनियर स्तर पर पहला लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम स्थान हासिल करना है।

कौन हैं सौरभ कुमार जिन्हें टीम इंडिया में मिला मौका, गेंदबाजी का नहीं तोड़, साथी कहते थे शेनवॉर्न

मेरठ।

बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार बड़ौत में अपने साथियों के बीच शेन वॉर्न नाम से प्रसिद्ध थे। जब वह रेलवे स्टेशन पार छक्के मारते थे तो लोग उन्हें धोनी कहते थे। फिलहाल सौरभ का परिवार गाजियाबाद के राजनगर में रह रहा है। सौरभ दो भाई और एक बहन हैं। बड़ा भाई गौरव एयरफोर्स में कार्यरत है। मां ऊषा गृहणी हैं। सौरभ का परिवार 2004 में बुढ़ाना क्षेत्र के गांव बिटावदा को छोड़कर बड़ौत के आजाद नगर में रहने लगा। 2006 में परिवार मेरठ में शिफ्ट हो गया। काफी समय तक सौरभ ने बड़ौत, बागपत में ही क्रिकेट खेला है। उनके चयन के बाद मेरठ, मुजफ्फरनगर के अलावा बागपत के बड़ौत में भी खुशी का माहौल है। वह बाएं हाथ से स्पिन गेंदबाजी करते हैं और लेफ्ट हैंड बल्लेबाज हैं। बड़ौत के शहीद शाहमल क्रिकेट एकेडमी के कोच प्रतीक तोमर ने बताया कि जब सौरभ खेलता था, तो दूरदराज से क्रिकेट खिलाड़ी व दर्शक जुट जाते थे। सौरभ की बल्लेबाजी व गेंदबाजी का कोई तोड़ नहीं है। 30 साल के बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार पहले भी भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं, इस बार उनके डेब्यू की संभावना है। वह 68 फर्स्ट क्लास मैचों में 290 विकेट ले चुके हैं। 64 रन देकर आठ विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी रही है। इसके अलावा वह 27.11 की औसत से 2061 रन भी बना चुके हैं। 133 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में दो शतक और 12 अर्धशतक लगा चुके हैं।

बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार ने भारत ए की ओर से बांग्लादेश ए के खिलाफ छह विकेट झटके थे। इस शानदार प्रदर्शन की मदद से भारत ए ने दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में बांग्लादेश ए को पारी और 123 रन से हरा दिया। अंडर-16 और अंडर-17 के बाद सौरभ अंडर-19 टीम में भी शामिल हो गए, लेकिन सीनियर टीम का रास्ता कठिन था। उस समय यूपी की टीम में पीयूष चावला, अली मुर्तजा समेत कई स्पिनर थे। कुलदीप यादव और सौरभ कश्यप भी लाइन में थे। बाद में चयनकर्ताओं ने उन्हें अंडर-23 में शामिल किया। इसके बाद उन्हें सीनियर टीम में शामिल कर लिया गया। उन्होंने अपनी घरेलू टीम के लिए पहले प्रथम श्रेणी मैच में गुजरात के खिलाफ 10 विकेट लिए। अहमदाबाद में 24 से 27 जनवरी तक इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच अनऑफिशियल टेस्ट खेला गया। सौरभ ने बल्लेबाजी में 16 चौकों के साथ 77 रन बनाए। यही नहीं पहली पारी में इंग्लैंड के एक और दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाए। यही वजह है कि पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बदलाव किए गए हैं। सौरभ कुमार को रविंद्र जड़ेजा की जगह शामिल किया गया है।

60 साल में पहली बार पाकिस्तान में भारतीय टेनिस टीम, बम निरोधक दस्ता रोजाना करेगा स्टेडियम की जांच

नई दिल्ली।

डेविस कप मुकाबले के लिए 60 साल में पहली बार पाकिस्तान पहुंची भारतीय टेनिस टीम के लिए इस देश की यात्रा करने वाले राष्ट्र अध्यक्ष जैसी सुरक्षा मुहैया कराई गई है। खिलाड़ियों को सुरक्षित महसूस कराने के लिए लागू सुरक्षा योजना के तहत एक बम निरोधक दस्ता हर सुबह इस्लामाबाद स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जांच करेगा। यही नहीं, यात्रा के दौरान भारतीय टीम दो एस्कार्ट वाहन की निगरानी में रहेगी। मुकाबला 3-4 फरवरी को खेला जाएगा।

पाकिस्तान टेनिस महासंघ (पीटीएफ) सुरक्षा पहलू पर कोई समझौता नहीं करना चाहता। भारतीय खिलाड़ी ज्यादातर आयोजन स्थल और होटल तक सीमित रहेंगे। खिलाड़ियों के लिए यह स्थिति हालांकि थोड़ी कठिन हो सकती है। पीटीएफ अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ आईटीएफ द्वारा अनुमोदित सुरक्षा योजना का पालन कर रहा है।

टीम के चारों ओर सुरक्षा की चार से पांच परतें

पीटीएफ के महासचिव गुल रहमान ने कहा कि

भारतीय टीम 60 साल के बाद पाकिस्तान आई है, लिहाजा हम अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं। भारतीय टीम के चारों ओर सुरक्षा की चार से पांच परतें हैं। मैं इस आयोजन के सुरक्षा प्रबंधक के रूप में, यात्रा के दौरान उनके साथ हूं। भारतीय दल रविवार रात इस्लामाबाद पहुंचा। दल में पांच खिलाड़ी , दो फिजियो और अखिल भारतीय टेनिस संघ के दो अधिकारी हैं।

10,000 कैमरों से निगरानी

गुल रहमान ने कहा कि यात्रा के समय एस्कॉर्ट वाहन टीम के साथ हैं। टीम वीवीआईपी प्रवेश द्वार से होटल में प्रवेश करती है, जो राज्य के प्रमुखों के लिए आरक्षित है। बम निरोधक दस्ते हर सुबह आयोजन स्थल की जांच करेंगे। कार्यक्रम स्थल पर किसी को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रक्रिया पूरे मुकाबले के दौरान जारी रहेगी। उन्होंने कहा, इस्लामाबाद एशिया के सबसे सुरक्षित शहरों में से एक है। आम चुनाव नजदीक आ रहे हैं, ऐसे में सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां लगातार हवाई निगरानी हो रही है। शहर में लगभग दस हजार कैमरे लगे हैं। भारतीय खिलाड़ियों की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। गुल ने कहा कि भारतीय टीम की मेजबानी करना न केवल पीटीएफ बल्कि पाकिस्तान के लिए भी सम्मान की बात है। हम खेल कूटनीति में विश्वास करते हैं। पाकिस्तान के बेहतरीन टेनिस खिलाड़ियों में से एक अकील खान ने कहा, भारतीय टीम अगर सहज है तो उसे शहर में घूमना चाहिए। अगर वे बाहर नहीं जा सकते हैं, शहर में नहीं जा सकते हैं तो रेस्तरां में जाएं। मैं उन्हें रात्रिभोज के लिए ले जाना चाहूंगा।

ऋषभ ने हादसे के दर्द भरे अनुभवों को याद किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गत वर्ष हुए कार हादसे से अब उबर गये हैं और फिटनेस हासिल करने के लिए जिम में भी अभ्यास में लग गये हैं। ऋषभ के आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की उम्मीदें हैं। वहीं एक कार्यक्रम के दौरान ऋषभ ने उस घटनाक्रम को याद करते हुए कहा कि हादसे के दौरान कुछ पल के लिए मुझे ऐसा लगा था कि अब मेरा समय दुनिया में समाप्त हो गया है। उस हादसे में इस क्रिकेटर को गंभीर चोटें आई थीं। उनके दाहिने घुटने का लिगामेंट भी फट गया था जिसके लिए दो बार सर्जरी हुई थी। इस क्रिकेटर ने उस दर्द भरे अनुभव के बारे में बताया है जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची थी। इसमें उन्होंने साल 2022 के अंत में हुई घातक कार दुर्घटना को याद करते हुए कहा कि जीवन में पहली बार मुझे ऐसा लगा जैसे इस दुनिया में मेरा समय अब समाप्त हो गया है। दुर्घटना के दौरान मुझे घावों के बारे में पता था पर मैं भाग्यशाली था क्योंकि यह और भी गंभीर हो सकता था। मुझे लगा कि किसी ने मुझे बचा लिया है। अस्पताल में मैंने जब डॉक्टर से पूछा कि मुझे ठीक होने में कितना समय लगेगा, तो उसने कहा कि करीब डेढ़ साल। मुझे पता था कि मुझे इस रिकवरी समय को कम करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी।

बन जाएं फिट मॉम...

आज कल की भागदौड़ वाली जिन्दगी में वर्किंग मदर्स घर और बाहर इतनी बिजी हैं कि वे बच्चों के साथ-साथ खुद को भी समय नहीं दे पातीं। इसके साथ ही वे अपने खाने पीने का ख्याल नहीं रख पातीं जिससे वे बीमार पड़ जाती हैं और उनका बॉडी पोस्चर बिगड़ जाता है। हम आपको ऐसे खास टिप्स बता रहे हैं जो आपको तरो ताजा, फिट व स्टाइलिश लुक देंगे और आपकी हर दिन की खुशी दुगनी हो जाएगी।

स्ट्रेच मार्क्स

अक्सर मां बनने के बाद शरीर पर स्ट्रेच मार्क्स आ जाते हैं और शरीर फूल जाता है जिसके कारण महिलाओं का बॉडी पोस्चर बिगड़जाता है। अच्छा होगा परेशान होने की बजाए डॉक्टर से सलाह लें और अपनी परेशानी को दूर करें।

मॉर्निंग वॉक

कहते हैं सुबह की हवा सेहतमंद होती है व दवा के तौर पर भी काम करती है। यह सांस और शरीर की अकड़न जैसी बीमारियों को दूर करती है और फेस की त्वचा को भी चमकदार व तरोताजा रखती है।

जरूरी आहार लें

क्रैश डाइटिंग भूल कर भी न करें, जरूरी आहार लें जो शरीर व त्वचा दोनों को स्वस्थ रखेगा, ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करें क्योंकि पानी सभी बीमारियों को दूर करता है।

एक्सरसाइज करें

देश भर में योग का खुमार छा रहा है क्योंकि योग अपने आप में एक दवा है जो जड़ से बीमारी को दूर करती है, ज्यादा से ज्यादा उठने व बैठने वाला काम करे, एक्सरसाइज करें जिससे आप फिट ही नहीं तंदुरूस्त और हर वक्त दमकती रहेंगी।

18 जन्मों में सीखी 18 भाषाएं

नार्वे की एक महिला का दावा है कि वह 18 भाषाएं जानती हैं और ये भाषाएं उन्होंने इस जन्म में नहीं, बल्कि अपने पिछले 17 जन्मों में सीखी है। मारिया जॉनसन के इस दावे की जबरदस्त चर्चा हो रही है। उनका कहना है कि हर भाषा पर मेरी अच्छी पकड़ है। क्योंकि पिछले जन्म में ये भाषाएं उनकी मातृ भाषाएं थीं।

मारिया का कहना है कि जब मैंने ये भाषाएं सीखने शुरू की, तो अहसास हुआ कि मैं इन्हें बहुत अच्छी तरह से जानती हूं। और इस बारे में मैंने कई मनोविश्लेषकों से बात की। सभी ने एक ही बात कही है। वह कहती है कि मैं इन भाषाओं वाले देशों में गई तो लगा कि मैं पहले भी वहां जा चुकी हूं। मेरे लिए यह बहुत आश्चर्चजनक था। वहां के लोगों से मिलने के बाद लगा जैसे वो मेरे अपने हैं। मानो मैं उनसे पहले भी मिल चुकी हूं। मारिया अंग्रेजी के अलावा नॉर्वे, फ्रांस, रूस, चीन, डेनमार्क, स्वीडन और जर्मनी की भाषाएं बोल तथा लिख सकती हैं। इसके अलावा वे बुल्गेरियन, सायबेरियन, पर्सियन, अफगानी, अरबी, हिन्दी, पॉलिश, टर्किश, इटेलियन और जापानी भाषा समझ सकती हैं। मिरर की खबर के अनुसार, मारिया एक मल्टीलिंगुअल डिजिटल मार्केटिंग कंपनी की सीईओ हैं। और मारिया के इस दावे को कई मनोवैज्ञानिकों ने सही भी ठहराया है।

चलन में हैं शीयर आउटफिट्स

क्रीम, व्हाइट और आइवरी जैसे कलर्स के सी-थ्रू फैब्रिक्स से बने परिधान इन दिनों काफी चलन में हैं। हॉलीवुड सिंगर रिहाने से लेकर बॉलीवुड ऐक्ट्रेस प्रियंका चोपडा तक कई सलेब्रिटीज पिछले दिनों शीयर आउटफिट्स में नजर आई।

- शीयर परिधानों के साथ लेयरिंग अच्छी लगती है। उदाहरण के तौर पर, शीयर टॉप के साथ स्मार्ट ब्लेजर पहनें।
- शीयर अपरवेयर्स पहन रही हैं तो लॉन्जरी का चयन बेहद सावधानी के साथ करें। प्रिंटेड लॉन्जरी पहनने से बचें।
- बॉडी हगिंग शीयर परिधान न पहनें। हलके लूज शीयर परिधान पहनना ठीक रहता है।
- अगर आप शीयर टॉप पहन रही हैं, तो ओपेक बॉटम वेयर पहनें। वहीं अगर शीयर बॉटम वेयर पहन रही हैं तो ओपेक टॉप पहनें।

हेयर एक्सटेंशन का कमाल...

पार्टी में जाना है और आपके पास बालों को कलर कराने और स्टाइल बनाने का टाइम नहीं है तो परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है। हेयर एक्सटेंशन बालों की एक ऐसी एक्सेसरी है जो आपके लुक को बिना किसी नुकसान के खूबसूरत बना देती है। बालों को अगर बिना किसी हार्म के आप नया शेप और लुक देना चाहती हैं तो ये हेयर एक्सटेंशन आपके लिए कमाल के साबित हो सकते हैं। हेयर एक्सटेंशन आपके बालों से जुड़ी तमाम समस्याओं का समाधान हो सकते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में हेयर एक्सटेंशन बहुत लोकप्रिय हो गया है। इससे कई हस्तियां लंबे और घने बालों का लाभ उठा रही हैं। हेयर एक्सटेंशन का मतलब बालों को लंबा करना होता है। या तो ये असली बाल होते हैं या कृत्रिम बालों को सिर पर चिपकाया जाता है। इसके तहत जब रंग और बनावट वास्तविक बालों से मिल जाता है तब एक्सटेंशन मिश्रण को बालों पर लगाया जाता है। इसे देख कर आप खुद ही नहीं पहचान पाएंगे कि कौन से बाल असली हैं और कौन से नकली। यह प्रक्रिया बालों को घना और लंबा करती है। रंग का उपयोग करने से बाल कठोर भी नहीं होते हैं। हेयर एक्सटेंशन कई रंग, आकार, शैली और लंबाई में आते हैं। ये किसी भी प्रकार के बालों से मेल खा लेते हैं। प्राकृतिक या मानव हेयर एक्सटेंशन अधिक महंगे होते हैं क्योंकि इन्हें सेट किया जाता है, कलर किया जाता है, घुंगराला किया जाता है और इनकी क्वालिटी को इंप्रूव किया जाता है। सिंथेटिक बाल, कर्लिंग आयरन या हॉटब्लो ड्रायर के संपर्क में आने से पिघल जाते हैं, इसलिए इसका इस्तेमाल आमतौर पर नहीं किया जाता है। सिंथेटिक एक्सटेंन्डेर किसी भी दुकान में मिल जाता है। मानव बाल एक्सटेंशन सामान्यतः किसी भी सैलून से खरीदा जा सकता है।

शॉर्ट टर्म एक्सटेंशन

अगर आप हेयर एक्सटेंशन को सिर्फ एक पार्टी के लुक के लिए करना चाहती हैं तो आप शॉर्ट टर्म तरीका यानी कि क्लिप ऑन एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें आपके बालों की सतह पर हेयर क्लिप को अटैच कर दिया जाता है, जिन्हें आप पूरे दिन के इस्तेमाल के बाद आसानी से रात में निकाल सकती हैं। एक हफ्ते तक अगर आप बालों को उसी लुक में रखना चाहती हैं तो टेम्परेरी ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्सटेंशन करा सकती हैं। इसमें बालों के स्कैल्प पर लिक्विड ग्लू लगाकर एक्सटेंशन को लगाया जाता है और इन्हें निकालने के लिए ऑयल बेस्ड सॉलवेंट का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा करने के लिए आप हेयर स्टाइलिस्ट की मदद लें।

लांग टर्म एक्सटेंशन

लांग टर्म एक्सटेंशन करवाने में काफी समय लगता है और अगर इसे अच्छे से न करवाया जाए तो ये बालों को डैमेज भी कर सकता है। इंटरलॉक वर्जन प्रक्रिया के जरिए आपके बालों के ऊपरी सिरे पर हेयर एक्सटेंशन को लगाया जाता है। इसमें बालों को बिलकुल सीधा कर दिया जाता है जिसमें आप चोटी नहीं बना सकती हैं।

ब्रैंडेड वर्जन उन लोगों के बालों के लिए बहुत अच्छा है जिनके बाल मोटे होते हैं। ऐसे बालों में लगे हेयर एक्सटेंशन चोटी बनाने पर दिखते नहीं हैं।

कृत्रिम बनाम प्राकृतिक

सिंथेटिक और नैचरल बालों में बहुत बडा अंतर होता है। सिंथेटिक बालों को आर्टिफिशियल तरीके से तैयार किया जाता है, जबकि नैचरल बालों को लोग कई बार डोनेट कर जाते हैं जिनसे हेयर एक्सटेंशन तैयार किए जाते हैं। नैचरल बालों से बने हेयर एक्सटेंशन खरीदने से पहले उसकी क्वॉलिटी चेक जरूर करें। इसके अलावा सिंथेटिक और नैचरल हेयर एक्सटेंशन में प्राइस डिफरेंस भी होता है। सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन बहुत कम दाम पर मार्केट में आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन ये नैचरल हेयर एक्टेंशन की तुलना में टिकाऊ नहीं होते। चूंकि नैचरल हेयर एक्सटेंशन को आप कलर भी कर सकते हैं इसलिए इनके दाम में भी काफी अंतर होता है। नैचरल हेयर एक्सटेंशन एक साल तक आराम से चल जाते हैं, जरूरत है बस अच्छे से देखभाल करने की। कुछ लोगों को सिंथेटिक हेयर एक्सटेंशन से एलर्जी होती है। इसके इस्तेमाल से पहले अपने हेयर स्टाइलिस्ट से इसके बारे में बात कर लें। अगर हेयर एक्सटेंशन अच्छे से लगाए गए हों तो ये बहुत ही सुंदर और बिलकुल असली लगते हैं।

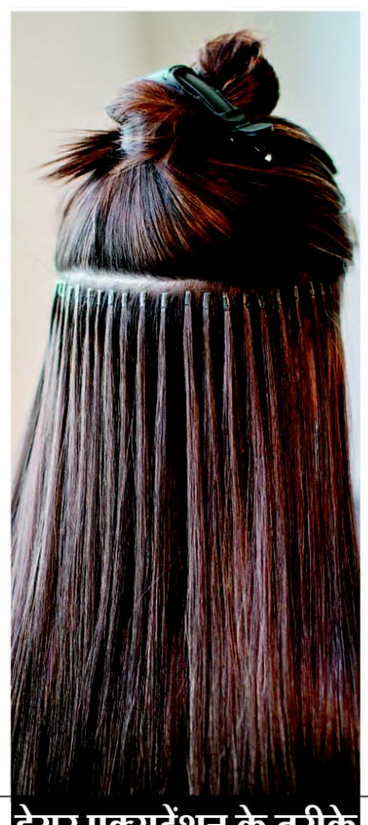

हेयर एक्सटेंशन के तरीके

वेव्स: यह चोटी कौनरोव्स की तरह होती है मगर यह छिपी रहती है। इस विधि के साथ दिक्कत यह है कि यह प्राकृतिक बालों में तनाव पैदा करती है, खासकर जब बाल धोते है या तैराकी के बाद। यह न केवल आप के बालों की बुनाई को ढीला कर देती हैं बल्कि यह प्राकृतिक बालों में फंस कर बालों को तोड़ देती है।

बोन्डिंग: इस विधि में जो एक्सटेंशन इस्तेमाल किया जाता है वह लेटेक्स प्लग है जो बालों को चिपकाता है। यह शॉर्ट टर्म के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह प्रक्रिया बहुत जल्दी हो जाती है और बहुत सस्ती भी है। हालांकि एक्सटेंशन को हटाने के लिए तेल या किसी गर्म वस्तु का प्रयोग किया जाता है, जो बोन्डिंग एजेंट को गला देता है। यदि सावधानी से नहीं हटाया गया तो यह आप के बालों को भी बाहर खींच सकता है।

मेटल ट्युबिंग: हेयर एक्सटेंशन को प्राकृतिक बालों में दबाने के लिए मेटल ट्युबिंग का इस्तमाल किया जाता है। कुछ मामलो में यह प्रक्रिया बालों को तोड़ देती है इसलिए विशेषज्ञ इस विधि को अपनाने की सलाह नहीं देते।

हीट-श्रींक ट्युबिंग: यह प्रक्रिया प्राकृतिक बालों को नुकसान नहीं पहुचाती है, लेकिन इसमें चिपकने की शक्ति बहुत कम होती है, जिससे हेयर एक्सटेंशन ठीक से चिपक नहीं पता। दो-तीन बार बालों को धोने के बाद ट्युब ढीला हो जाता है और बालों का किनारा निकलने लगता है जिसके चलते अधिक बाल झड़ने लगते हैं।

एडेसिव बेस्ड फ्यूजन: यह सबसे अच्छा तरीका है, हालांकि इसमें जिस प्रकार का एडेसिव प्रयोग किया जाता है वह बहुत महत्वपूर्ण है। वेक्स बेस्ड एडेसिव में पिघलने का बिंदु कम होता है इसलिए पेशेवर इसका इस्तेमाल करते हैं। यह एडेसिव गर्मी और रासायनिक उपचार दोनों का सामना करता है। हेयर एक्सटेंशन को हटाने के लिए एडेसिव रीमूवर का इस्तमाल किया जाता है।

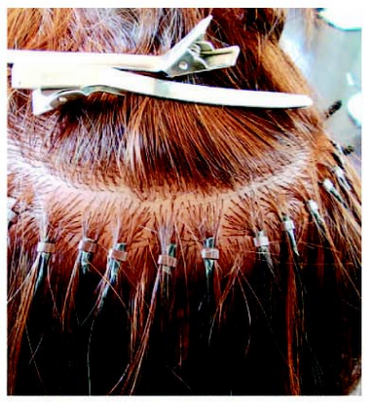

अनुभवी एक्सटेंशनिस्ट चुनें

एक अनुभवहीन एक्सटेंशनिस्ट आप के बालों को नुकसान पंहुचा सकता है। एक्सटेंशन के गलत प्रकार या एक्सटेंशन को गलत तरीके से लगाने से आप के बाल टूट सकते हैं। एक्सटेंशनिस्ट को पता होना चाहिए कि वह किस प्रकार बालों का परीक्षण करे कि बाल मजबूत हो सकें। एक्सटेंशनिस्ट के पास कॉस्मेटोलोजिस्ट का लाइसेंस होना चाहिए क्योंकि हेयर एक्सटेंशन के कई सारे तरीके होते हैं।

ये तरीके अलग अलग बालों के लिए अलग-अलग होते हैं, इसलिए आप को पेशेवर की खोज करनी चाहिए जिसे सिर्फ एक विधि ही नहीं बल्कि अलग अलग विधियों का अनुभव हों। एक्सटेंशनिस्ट हमेशा वही विधि बेचना चाहते हैं जो उनको आती है। अगर उनको केवल एक तरीका पता है, तो वह आप के बालों के लिए अच्छा नहीं होगा। इसके आलावा एक्सटेंशनिस्ट आप को अलग अलग पद्धितियों का प्रमाण पत्र भी दिखाएगा और बताएगा कि उसे अलग अलग विधियां आती हैं। आप एक्सटेंशनिस्ट से उसका पोर्टफोलियो मांगे और जांच करें कि उसने कितने लोगों का हेयर एक्सटेंशन किया है और कौनसी विधि से।

कैसे करें देखभाल

- नैचरल हेयर एक्सटेंशन का ध्यान आप उसी तरह रखें जैसे कि आप अपने कुदरती बालों का रखती हैं।
- अगर बालों को अच्छी तरह से सुखाया न जाए तो इसके कारण स्कैल्प खराब होने की समस्या हो सकती है। कई बार बालों की जड़ों में फंगस भी लग जाता है। अपने बालों को कई हिस्से में बांट कर इन्हें अच्छे से सुखाएं।
- अपने कुदरती बालों का खास खयाल रखें क्योंकि अगर ये टूटने और झड़ने लगे तो आपका हेयर एक्सटेंशन समय से पहले निकल सकता है।
- ज्यादा समय तक लगा हुआ हेयर एक्सटेंशन बालों को नुकसान पहुंचा सकता है,इसलिए इन्हें छः हफ्ते में या फिर दस हफ्ते में एक बार निकलवा दें।
- अगर आपने ग्लू ऑन बॉण्डेड एक्टेंशन लगवाए हैं तो बालों में तेल का इस्तेमाल न करें। ऐसा करने से आपके एक्सटेंशन पर लगा ग्लू हट जाएगा और आपको समय से पहले अपने एक्सटेंशन हटवाने पड़ेंगे।

आज क्या पहना जाए...?

आप रोजाना ऑफिस जाती हैं और सुबह अलमारी से कपड़े निकालते समय सोचती हैं कि आज क्या पहना जाए। हर कामकाजी महिला की यही परेशानी है। उन्हें समझ नहीं आता कि उन्हें आज क्या पहनना चाहिए, भले ही उनकी अलमारी कपड़ों से अटी पड़ी हो। आप दरअसल अपने कपड़ों से बोर हो चुकी हैं। आपका मन कर रहा है कि आप ऑफिस में स्टाइलिश बनकर जाएं लेकिन सवाल उठता है कि आप ऐसा क्या पहनें, जो स्मार्ट दिखने के साथ ही आपकी बॉडी शेप के अनुकूल परफेक्ट हो।

लिनेन के शर्ट

हल्के रंग वाले लिनेन के शर्ट कमाल के लगते हैं। इसे बेहतरीन फिटिंग वाली ट्राउजर या जींस के साथ पहनिए। यदि आपके ऑफिस में स्कर्ट पहनने की इजाजत है तो स्लिट वाली ऑफिस स्कर्ट के साथ भी यह बहुत अच्छे लगते हैं। ऑफिस के बाद दोस्तों के साथ बाहर जाना हो तो रंगीन स्कार्फ या जैकेट के साथ ये परफेक्ट लगते हैं।

सिगरेट पैंट

सिगरेट पैंट स्लिम फिटिंग वाले पैंट होते हैं, जो आपकी बॉडी शेप को स्लिम लुक देते हैं। ऑफिस के लिहाज से काले, ग्रे, ब्राउन, मिलिट्री जैसे रंग अच्छे हैं। चाहें तो कुछ

डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती

इन दिनों बाजार में कई डिफरेंट स्टाइल की कुर्ती मिल रही हैं, जो एलीगेंट होने के साथ ही कंफर्टेबल भी होती हैं। ऑफिस ड्रेस के हिसाब से कुर्ती बिल्कुल परफेक्ट है। लेकिन ऑफिस की नीरसता को तोड़ने के लिए गहरे चटख रंगों वाली कुर्ती खरीदिए। नीला और बैंगनी रंग ऑफिस के डेकोरम के हिसाब से बिल्कुल सही है और चटख भी। आप चाहें तो क्वर्की प्रिंट्स वाली कुर्तियां भी खरीद सकती हैं, ये बिल्कुल नया ट्रेंड है। फ्रंट स्लिट वाली कुर्ती इन दिनों हॉट है,इसे जरूर खरीदें।

डिफरेंट दिखने की कोशिश में आप चेक प्रिंट वाले पैंट्स खरीद कर पहन सकती हैं।

सिल्क और शिफॉन स्कार्फ

यदि आपने कोई सादी शर्ट पहनी है और आपको अपना लुक बोर लग रहा है तो फिक्र की बात नहीं है। अपनी अलमारी से एक खूबसूरत सा स्कार्फ निकालिए और गले में बांध लीजिए या यूं ही लटका लीजिए। सिल्क और शिफॉन के स्कार्फ ऑफिस सेटअप में अच्छे दिखते हैं। ऐसे रंगों के स्कार्फ लीजिए, जो आपकी ड्रेस के विपरीत रंग के हों। कई लोग बैग में भी स्कार्फ बांध लेते हैं, जो अच्छा दिखता है।

काले रंग का पम्प

किसी भी कामकाजी महिला के पास एक काले रंग का पम्प जरूर होना चाहिए। यह हर ड्रेस के साथ मैच करता है और अच्छा भी दिखता है। लेकिन पम्प वही लीजिए, जो आगे से बंद हो यानी जिसमें पैर न दिख रहे हों।

पतले फैब्रिक वाले ब्लेजर

ब्लेजर सिर्फ सर्दियों में नहीं पहने जाते, हल्के मौसम में भी ब्लेजर पहने जाते हैं, लेकिन पतले फैब्रिक वाले। ब्लेजर किसी भी बॉडी शेप वाली महिला पर सूट करते हैं। साथ ही ऑफिस मीटिंग या ऑफिशियल कार्यक्रमों के लिहाज से अच्छे भी लगते हैं। लेकिन ध्यान रखिए कि ब्लेजर की सिलाई बेतहरीन हो, फिटिंग कमाल की हो और यह मुलायम पतले कपड़े का बना हो। लाल और बैंगनी रंग के ब्लेजर किसी की भी बोरियत को दूर करने की क्षमता रखते हैं।

यूं करेंगे पार्ट टाइम वर्क तो सफल रहेंगे आप

पार्ट टाइम वर्क और वर्क फ्रॉम होम पालिसीज कॉपोरेट वर्ल्ड में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं। कुछ संगठन एंप्लॉयजी को वर्कलाइफ बैलेंस हासिल करने में मदद करने के लिए यह चीजें अपना रहे हैं। अन्य संगठन यातायात की समस्या, प्रदूषण और तनाव से निपटने का इनको बेहतर तरीका मानती हैं। अगर आप भी वर्क फ्रॉम होम या पार्ट टाइम वर्क करते हैं तो हम आपको बता रहे हैं सुझाव जिसकी मदद से आप असरदार ढंग से काम को अंजाम दे सकते हैं। पार्ट टाइम वर्कमॉडल को चुनने से पहले आपको पहले ऐसी प्राथमिकताओं को चुनना चाहिए जो आपके और आपके संगठन, दोनों के हित में है। आपके संगठन को आपके पार्ट टाइम काम, पार्ट टाइम काम के लिए बंदोबस्त और इसकी अवधि की जानकारी होनी चाहिए। यह बेहतर होगा कि आपको कंपनी से और कंपनी को आप से क्या उम्मीदें हैं, स्पष्ट कर लें।

अनुशासित बनें

जब तक आप खुद को अनुशासित नहीं करेंगे तब तक पार्ट टाइम वर्क या वर्क फ्रॉम होम, को आप ढंग से नहीं कर पाएंगे। काम करते समय यह सुनिश्चित करें कि आप एक बार में कोई एक ही काम करें। इससे आपका काम और निजी प्रतिबद्धताएं का घालमेल हो जाएगा। अनुशासित तरीके से काम करने से आप समय पर और केंद्रित ढंग से काम को अंजाम दे सकेंगे।

घर पर काम के लिए जगह होनी चाहिए

आपके घर पर इतनी जगह होनी चाहिए कि आप सही से काम कर सकें। आपके घर की यह जगह लगभग आपके ऑफिस जैसी होनी चाहिए यानी ऑफिस में आपके पास जरूरत की जितनी चीजें होती हैं, वे सभी वहां भी मौजूद होनी चाहिए। इस जगह पर कोई ऐसी गतिविधि जैसे संगीत और टेलिविजन के शोर से दूर होनी चाहिए ताकि आप अपने काम पर ध्यान दें और आपका ध्यान इधर-उधर नहीं भटके।

काम से समझौता न करें

यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ यह बात ध्यान रखें कि पार्ट टाइम वर्क में सिर्फ इतना फर्क होगा कि आप अपने वर्कप्लेस पर शारीरिक रूप से मौजूद नहीं होंगे और थोड़ा काम की अवधि में भी राहत मिल सकती है। लेकिन, आपको उतना ही काम करना पड़ेगा जितना आप ऑफिस या वर्कप्लेस पर आकर करते हैं। इसलिए काम से किसी तरह का समझौता नहीं करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**